सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जिंदगी की किताब में धैर्य का कवर होना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि वही हर पन्ने को बांधकर रखता है ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–287 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 05 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

कांग्रेस व इंडी गठबंधन की दोहरी राजनीति से लोकतंत्र को खतरा : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश के लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा इन्हीं लोगों की दोहरी राजनीति से है। बुधवार को जशपुर रवाना होने से पहले पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने कहा कि जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए बार-बार



लोकतंत्र का गला घोंटा, विपक्षी नेताओं को जेलों में डाला, मीडिया की स्वतंत्रता छीनी और अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग कर गैर-कांग्रेसी सरकारों को बर्खास्त किया, आज वही कांग्रेस लोकतंत्र बचाने की बात कर रही है। यह हास्यास्पद और दोहरी राजनीति का परिचायक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता अपनी चुनावी हार स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े करते हैं। कभी वोट चोरी, कभी रक्षक लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया, आज वही लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की, वही आज संविधान की रक्षा की बात कर रही है। यह दोहरा चरित्र जनता सब देख रही है। कांग्रेस ने हमेशा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया, चाहे वह चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका। आज वही कांग्रेस संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी हार की जिम्मेदारी से बचना चाहती है। जनता अब इनकी असलियत को भली-भांति समझ चुकी है।

प्रक्रिया और कभी एग्ट और निर्वाचन आयोग को कटघरे में खड़ा करते हैं। जब नतीजे उनके पक्ष में आते हैं तो एग्ट पर भरोसा है, हारते ही ठीकरा संस्थाओं पर फोड़ते हैं। यही हताशा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी दोहरी राजनीति को उजागर करने और संस्थाओं के प्रति जनजागरूकता के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली जा रही है।

सट्टा एप मामले में सामने आ सकते हैं बड़े नाम

महादेव सट्टा एप पर पूछे गए सवाल पर उट ने कहा कि मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को विदेश से लाया गया है। अब उड़कपूछताछ करेगी तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आएंगे और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य बड़े नाम भी उजागर हो सकते हैं।

अमित जोगी का बयान तुच्छ सोच का परिचायक

जकांछ प्रदेशाध्यक्ष अमित जोगी द्वारा सौरभ चंद्राकर को हीरो बताने वाले बयान पर उट ने कहा कि ऐसे बयान उनकी तुच्छ सोच को उजागर करते हैं। ऐसे व्यक्ति को हीरो बताने के पीछे कैसी सोच है, इसका आकलन जनता खुद करेगी।

रामगोपाल अग्रवाल को ACB के शराब घोटाले में मिली जमानत, लेकिन जेल से नहीं आएंगे बाहर



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शराब घोटाले मामले में बड़ी खबर है। आरोपी रामगोपाल अग्रवाल को बिलासपुर हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस बीडी गुरु की कोर्ट ने एसीबी के शराब घोटाला मामले में उन्हें जमानत दी है।

हालांकि रामगोपाल को अभी जेल में ही रहना होगा। क्योंकि एक्के कोल घोटाला और ED के शराब घोटाला समेत ACB के चावल घोटाला मामले में उनकी जमानत याचिकाएं अभी लंबित हैं। इन मामलों में कोर्ट ने ED और ACB को नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि जस्टिस एनके व्यास और जस्टिस राकेश मोहन पांडे की कोर्ट में लगी अन्य जमानत याचिकाओं पर दो हफ्ते बाद सुनवाई होगी।

अरुणपति त्रिपाठी को 95 दिन बाद मिली जमानत, बिलासपुर HC से राहत



मैनपावर घोटाला मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद आबकारी विभाग के पूर्व MD अरुणपति त्रिपाठी को आखिरकार जमानत मिल गई है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। 95 दिन जेल में रहने के बाद उन्हें यह राहत मिली है। मामले में वकील शशांक मिश्रा ने उनकी ओर से पैरवी की।

स्पीड हैंडबॉल में छत्तीसगढ़ का जलवा हिमाचल को हराकर जीता कांस्य

नई दृष्टिबिंदु / सासाराम (बिहार)

बिहार के सासाराम में आयोजित तीसरी सीनियर स्पीड हैंडबॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की बालक वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया है। क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने मजबूत हरियाणा को 7-3 गोल से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इसके बाद तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने हिमाचल प्रदेश को 7-5 से पराजित कर प्रदेश का नाम रोशन किया।

इस जीत में कोविद यादव, नीरज यादव, शुभम मेश्राम, सोमेश्वर नेताम, विशाल यादव, कृतज्ञ एले, शिवम मंडावी, भूपेश साहू और त्रिवेद संचेनिया का अहम योगदान रहा। टीम ने मुख्य प्रशिक्षक फिरोज खान, सहायक प्रशिक्षक रजा कुरैशी और टीम मैनेजर भूमि कोचर के मार्गदर्शन में यह सफलता हासिल की।

इस उपलब्धि पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, सचिव प्रिंस भाटिया सहित खेल प्रेमियों ने टीम को बधाई दी है।

महादेव सट्टा एप : सौरभ के बाद दूसरा मुख्य आरोपी रवि उप्पल दुबई में हुआ गिरफ्तार

80 हजार करोड़ के अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड, भारत लाने की तैयारी तेज

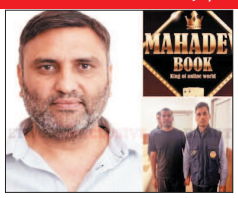
नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-रायपुर

महादेव सट्टा एप मामले में भारतीय एजेंसियों को तीन दिन में दूसरी बड़ी कामयाबी मिली है। एप के सह-संस्थापक और दूसरे मुख्य प्रमोटर रवि उप्पल को दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है। इंटरपोल के रेड नोटिस पर की गई इस कार्रवाई के बाद भारत ने उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इससे ठीक तीन दिन पहले ही एप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। सौरभ को 1 नवंबर को रायपुर लाया गया और अब वह 8 दिन की सीबीआई रिमांड पर है। 46 वर्षीय रवि उप्पल की गिरफ्तारी के साथ ही इस 80 हजार करोड़ के अवैध सट्टा साम्राज्य के दोनों प्रमुख चेहरे कानून के शिकंजे में आ गए हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग और प्रोटेक्शन मनी का नेटवर्क संभालता था रवि

ईडी ने रवि उप्पल को अक्टूबर 2023 में आरोपी बनाया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक सौरभ जहां सट्टा एप का चेहरा था, वहीं रवि पर्दे के पीछे से पूरे अवैध कारोबार की फाइनेंशियल मैनेजमेंट संभालता था। उस पर अपराध की कमाई को छिपाने, हवाला और फर्जी लेन-देन के जरिए घुमाने और छत्तीसगढ़ में नौकरशाहों व नेताओं तक प्रोटेक्शन मनी पहुंचाने की व्यवस्था का आरोप है।



दोनों आरोपी भिलाई के रहने वाले हैं। उन्होंने 2019-20 में महादेव सट्टा एप शुरू किया था। एजेंसी का दावा है कि 2019 से अब तक इसके जरिए करीब 80 हजार करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई है।

अब दुबई में छिपे विकास और अतुल पर कस रहा शिकंजा

सौरभ और रवि के बाद अब सीबीआई की नजर दुबई में छिपे दो अन्य प्रमुख आरोपियों - विकास छापरिया और अनिल अग्रवाल उर्फ अतुल पर है। जांच के मुताबिक एप संचालन और काली कमाई को ठिकाने लगाने में इनकी अहम भूमिका है। अतुल बेटिंग आईडी और पैनलों का संचालन देखता है, जबकि विकास हवाला नेटवर्क से सट्टे की कमाई को वैध बनाने का काम करता है। दोनों के खिलाफ ईडी की विशेष अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी हो चुके हैं।

सौरभ 8 दिन की सीबीआई रिमांड पर, दिल्ली में होगी पूछताछ

बुधवार को सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में नकाब लगाकर पेश किया गया। सीबीआई ने रिमांड मांगी तो सुप्रीम कोर्ट से आए सौरभ के वकील तुषार गिरी ने विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 8 दिन की रिमांड मंजूर कर ली। सीबीआई ने दिल्ली में पूछताछ की अनुमति भी मांगी, जिस पर बचाव पक्ष ने सहमति दे दी। अब सौरभ से दिल्ली में पूछताछ होगी और उसे 12 नवंबर को दोबारा रायपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा। पेशी की खबर मिलते ही कई जिलों से जेल जा चुके बुकी और सटोरिये भी कोर्ट पहुंच गए थे।

पैनल ऑपरेटरों में हड़कंप, दुबई भेज रहे पल-पल का अपडेट

इधर, सौरभ और रवि की गिरफ्तारी से प्रदेश के 2 हजार से ज्यादा पैनल ऑपरेटरों में हड़कंप मचा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक ये ऑपरेटर लगातार दुबई में बैठे आकाओं को एजेंसियों की कार्रवाई का अपडेट भेज रहे हैं। चर्चा है कि दोनों की गिरफ्तारी के बाद सट्टे का नेटवर्क भिलाई का अनिल छापरिया, शुभम सोनी और अन्य संभाल रहे हैं। प्रदेश में महादेव सट्टा मामले में 80 से ज्यादा FIR दर्ज हैं, जिनमें से 12 मामलों में सीबीआई चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

महादेव एप का तार PMO तक, क्या CBI PMO की जांच करेगी ? – दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता में उठाए सवाल



रायपुर। महादेव सट्टा एप मामले में प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को प्रत्यर्पित कर रायपुर लाए जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि सौरभ को तो लाया गया, लेकिन उसके पार्टनर रवि उप्पल और शुभम सोनी को कब पकड़ा जाएगा?

बैज ने कहा कि शुभम सोनी ने विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान वीडियो में दावा किया था कि महादेव एप का असली मालिक वह है और सौरभ-रवि उसके लिए काम करते हैं। इस वीडियो को भाजपा ने अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जारी किया था, यानी भाजपा उसके दावे से सहमत थी। उसी दावे के आधार पर कांग्रेस सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री पर आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ लिया गया। अब सवाल है कि शुभम सोनी को कब पकड़ा जाएगा?

उन्होंने कहा कि सौरभ चंद्राकर को ओमान से लाना संभव हुआ तो उसके पीछे भूपेश सरकार के प्रयास हैं। कांग्रेस सरकार ने ही महादेव एप के खिलाफ पहली FIR से लेकर 72 FIR दर्ज की, 500 से अधिक जप्तियां-गिरफ्तारियां की, गूगल प्ले से एप हटवाया, लुकआउट सर्कुलर जारी करवाया और गेमिंग एप के खिलाफ सख्त कानून बनाया। उससे पहले देश में इस पर कोई कानून नहीं था।

बैज ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले खूब प्रोपेगंडा किया, लेकिन डबल इंजन सरकार के 3 साल बाद भी एप बंद क्यों नहीं हुआ? सोशल मीडिया पर आज भी इसके विज्ञापन चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 में इस मामले में PMO के वरिष्ठ अधिकारी हीरेन जोशी, 23वें वित्त आयोग के सदस्य हितेश जैन और प्रसार भारती अध्यक्ष नवनीत सहगल के नाम सामने आए थे, जिन्होंने एप को संरक्षण दिया। भाजपा आर्थिक सेल के पूर्व संयोजक विकास गर्ग की भूमिका भी जगजाहिर है। क्या उड़कछटड की जांच करेगी? हिरेन जोशी को कौन बचा रहा है? बैज ने कहा कि पिछले 3 साल में रेड्डी अन्ना, लोटस 365, फेयर प्ले, लेजर बुक समेत दर्जनों नए सट्टा पैनल सक्रिय हैं। ऑनलाइन गेमिंग केंद्र के सूचना प्रसारण विभाग से निर्यात होती है, फिर कार्रवाई क्यों नहीं? क्या 50 हजार करोड़ से अधिक की टैक्स कमाई और प्रोटेक्शन मनी इसका कारण है?

पत्रकार वार्ता में संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, सकलेन कामदार, श्रीकुमार मेनन, राजेन्द्र बंजारे, धनंजय ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा सहित कई नेता मौजूद रहे।

दुर्ग में 305 करोड़ से बनेगा नया कलेक्ट्रेट, 195 करोड़ की जमीन पर पल रही 5 हजार मुर्गियां होंगी शिफ्ट

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग में नए कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब 305.03 करोड़ रुपये की लागत से कंपोजिट बिल्डिंग और आधुनिक आवासीय परिसर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पूरा निर्माण छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड अपने खर्च पर करेगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी विभागों से उनके कार्यालयों के लिए जरूरी कमरों और जगह की जानकारी मांगी है। इसी आधार पर हाउसिंग बोर्ड ब्लू प्रिंट तैयार करेगा। पहले चरण में वर्तमान कलेक्ट्रेट के पीछे पार्किंग वाले हिस्से में नई कंपोजिट बिल्डिंग प्रस्तावित है। तैयार परिसंपत्तियां बाद में शासन को हस्तांतरित होंगी, जिससे सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं आएगा।

जेल रोड पोल्ट्री फार्म अंजोरा शिफ्ट होगा

परियोजना के तहत शहर के बीचोंबीच जेल रोड स्थित पोल्ट्री फार्म को अंजोरा में 27 एकड़ जमीन पर शिफ्ट किया जाएगा। वर्तमान में 195 करोड़ रुपये कीमत की 39.01 एकड़ जमीन पर करीब 5 हजार मुर्गियां पाली जा रही हैं। फार्म शिफ्ट होने के बाद इस जमीन का चरणबद्ध उपयोग होगा।

39.01 एकड़ जमीन पर क्या बनेगा

हाउसिंग बोर्ड की प्लानिंग के मुताबिक

सरकारी आवास: 5.95 एकड़ पर 98.36 करोड़ से आधुनिक आवास बनेंगे। इसमें 48 ई-टाइप, 96 एफ-टाइप, 96 जी-टाइप और 96 एच-टाइप (एस-6) आवास शामिल हैं।

ऑक्सीजोन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स: 6 एकड़ पर ऑक्सीजोन, लाइब्रेरी और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित होगा।

कमर्शियल और रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट: 24.16 एकड़ पर आवासीय और व्यावसायिक निर्माण होगा। इसकी बिक्री से हाउसिंग बोर्ड लागत की भरपाई करेगा। इस जमीन का ऑफसेट मूल्य 390.05 करोड़ आंका गया है।

18 मीटर चौड़ी सड़क: इसके लिए 3 करोड़ का प्रावधान और 1.90 एकड़ जमीन का उपयोग होगा।

दस्तावेजों के मुताबिक शासन को हस्तांतरित होने वाली संपत्तियों का कुल मूल्य 305.03 करोड़ है, जबकि अन्य व्यय 7.35 करोड़ है। इस हिसाब से शासकीय कोष में जमा होने योग्य न्यूनतम राशि 77.67 करोड़ बताई गई है।

दीपावली पर दुर्ग में ट्रैफिक प्लान लागू

एसएसपी विजय अग्रवाल ने ली यातायात अधिकारियों की बैठक



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

आगामी दीपावली पर्व पर बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-06 में उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा समस्त यातायात अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

SSP ने सभी जोन प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के व्यापारियों और मार्केट प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करें। आवश्यकता अनुसार गार्ड और बैरिकेडिंग लगाई जाएगी। नो-पार्किंग में खड़े वाहनों, शराब पीकर वाहन चलाने वालों और प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध पार्किंग और सड़क के बीच वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों पर इंटरसी धारा 285 के तहत कार्रवाई होगी।

बाजारवार पार्किंग व्यवस्था

इंदिरा मार्केट, दुर्ग - दोपहिया पार्किंग - महात्मा गांधी स्कूल, मारवाड़ी स्कूल और फरिश्ता कॉम्प्लेक्स। चारपहिया पार्किंग - पशु चिकित्सालय और शनिचरी बाजार स्थित निगम की खाली भूमि। पटेल चौक से मध्यानी चौक, जामा मस्जिद होते हुए उरढ कार्यालय के पीछे से पटेल चौक तक वन-वे लागू। 05 नवंबर से चारपहिया, ई-रिक्शा और ऑटो का प्रवेश प्रतिबंधित, विशेषकर मध्यानी चौक से फरिश्ता कॉम्प्लेक्स तक।

समृद्धि मार्केट - बगल के पार्किंग स्थल और हॉकी मैदान में पार्किंग।

जवाहर मार्केट, पावर हाउस - लाल मैदान (दुर्ग पंडाल) में पार्किंग। आकाश गंगा मार्केट - दोपहिया - हिमालय कॉम्प्लेक्स और ज्वेलर्स मार्केट के सामने। चारपहिया - नगर निगम कार्यालय के बगल के खाली मैदान में।

अन्य बाजार - सफेद पार्किंग मार्किंग के अंदर ही वाहन खड़े करने के निर्देश।

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित पार्किंग का ही उपयोग करें, नशे में वाहन न चलाएं, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें और पुलिस का सहयोग करें।

रोशनी के त्योहार में सबसे ज्यादा अंधेरे की शिकायत निगम क्षेत्र में 262 में से 130 शिकायतें स्ट्रीट लाइट की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



दीपावली पर शहर को जगमग करने की तैयारी चल रही है, लेकिन हकीकत यह है कि सबसे ज्यादा शिकायतें अंधेरे को लेकर ही आ रही हैं। सीएम हेल्पलाइन की 3 नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक निगम क्षेत्र में दर्ज कुल 262 शिकायतों में से 130 शिकायतें सिर्फ खराब स्ट्रीट लाइट और अंधेरे से जुड़ी हैं। यानी हर दूसरी शिकायत प्रकाश व्यवस्था की है। कहीं तीन महीने तो कहीं सालभर से सड़कें अंधेरे में हैं। किसी वार्ड में 10 तो किसी में 50-60 लाइटें बंद होने की शिकायत है।

दीपावली से पहले लाइट सुधारने के निर्देश

त्योहार को देखते हुए निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने अधिकारियों को प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्रों की लाइटें प्राथमिकता से दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। निगम सभागार में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि त्योहार पर आवाजाही बढ़ती है, ऐसे में सुरक्षा के लिए रोशनी जरूरी है। सभी वार्डों में बंद लाइटों का चिन्हांकन कर सुधार करने को कहा गया है।

कहां-कहां अंधेरा

पड़ताल में सामने आया कि वार्ड-4 में ढठइ मुख्य मार्ग की 10 लाइटें 3 महीने से बंद हैं। वार्ड-17 में डिल्लन कॉम्प्लेक्स के सामने 5 लाइटें खराब हैं। वार्ड-5 के रोशनी आवास में अंबेडकर भवन के पास 30 पोल की लाइटें बंद हैं। वार्ड-13 की कोहका पुरानी बस्ती में पूरी स्ट्रीट लाइट व्यवस्था बंद है। वार्ड-70 के मिलन चौक, सुभाष नगर में 50 से 60 लाइटें बंद हैं। वार्ड-22 के गोकुलधाम रोड पर 5 लाइटें एक साल से खराब हैं।

ठेकेदार ने उतार ली थीं लाइटें

निगम ने स्ट्रीट लाइट के संचालन का ठेका मेसर्स वाईआर सिंह (हुडको) को दिया था। वर्क ऑर्डर 30 सितंबर को खत्म होने पर एजेंसी ने पोल से लाइटें निकालकर रख लीं, जिससे कई वार्ड अंधेरे में डूब गए। मामला सामने आने पर आयुक्त ने नोटिस जारी कर सभी लाइटें जमा करने और 90 प्रतिशत लाइटें चालू कर देने के निर्देश दिए हैं, नहीं तो कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।



डाइट प्राचार्य मरकले का किया सम्मान, सराहा गया शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान

शैक्षणिक नवाचारों और दूरदर्शी नेतृत्व का वक्ताओं ने किया विशेष रूप से उल्लेख, प्रभावशाली कार्यकाल की उल्लेखनीय उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए सभी वक्ताओं ने खुलकर सराहना की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग के प्राचार्य पी.सी. मरकले के शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर अछोटी स्थित संस्थान परिसर में एक आत्मीय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अपने एक वर्ष के छोटे किंतु प्रभावशाली कार्यकाल की उल्लेखनीय उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए सभी वक्ताओं ने खुलकर सराहना की। इस गरिमामयी समारोह में डाइट परिवार की ओर से पीसी मरकले का आत्मीय अभिनंदन किया गया और सम्मान पत्र, स्मृति चिह्न व उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

आयोजन में डाइट के नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने कहा कि श्री मरकले के कार्यकाल में ब्लू-प्रिंट आधारित प्रशिक्षण का सफल संचालन हुआ, जिससे शिक्षकों की कार्यकुशलता में अभूतपूर्व सुधार आया। डॉ. शिशिर कांत भट्टाचार्य ने उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में पटन वीर प्रतियोगिता, अटल टिंकरिंग मॉडल प्रतियोगिता और व्यवसायिक शिक्षा का संचालन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया।

इसी क्रम में डॉ. नीलम दुबे ने फाउंडेशन लर्निंग स्टडी (एफएलएस) ऑनलाइन सर्वे और एफएलएन (फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्यूमेरेसी) के तहत ऑनलाइन व ऑफलाइन बुनियादी भाषाई एवं सांख्यिकी ज्ञान प्रशिक्षण तथा बालवाड़ी प्रशिक्षण की सफलता का विशेष रूप से उल्लेख किया।

वक्ता के रूप में अपनी बात रखते हुए डॉ. वंदना



सिंह ने कहा कि श्री मरकले के मार्गदर्शन में डाइट के अकादमिक सदस्यों ने शोध एवं नवाचार के विभिन्न आयामों और शैक्षिक गुणवत्ता के सभी अवयवों पर विद्यालयीन मॉनिटरिंग करते हुए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की समस्याओं का हमेशा तत्परता से समाधान किया।

वहीं, डॉ. हेमंत साहू ने उनके प्रशासनिक अनुभव और दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, कांकेर तथा जांजगीर-चांपा जैसे जिलों में वरिष्ठतम पदों पर दी गई सेवाओं को याद करते हुए कहा कि व्याख्याता, प्राचार्य, सहायक परियोजना अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी), जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और डाइट दुर्ग के प्राचार्य के रूप में उनकी सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी।

इस सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्राचार्य श्री मरकले ने कहा कि "शासकीय सेवा पूर्ण होने पर संतोष इस बात का है कि मैंने हर पद पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से कार्य किया; शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बिताया गया यह सफर मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।" इस आत्मीय विदाई समारोह में संध्या शर्मा, सुषमा हिरवानी, आभा वर्मा खोसला, वेद डडसेना, देवकी महिपाल, शशांक मेश्राम, संदीप दुबे, सत्यवती, यशोदा, सुरेंद्र और उषा सोनी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खास खबर

वित्त सेवा के उप संचालक देवेन्द्र चौबे को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन दुर्ग में विगत 5 वर्षों से पदस्थ उप संचालक देवेन्द्र कुमार चौबे को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर भावभीनी विदाई दी गई। श्री चौबे ने संभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के पेंशन प्रकरणों और जटिल वेतन निर्धारण प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया।

बिदाई समारोह संभागीय संयुक्त संचालक विवेक कुमार मिश्रा के निर्देशन में तथा प्राचार्य लेखा प्रशिक्षण संस्थान गिरीश देवांगन, वरिष्ठ व्याख्याता सब्रीना सिंह, व्याख्याता कैलाश साहू, सहायक संचालक मनीष मिश्रा, सहायक लेखाधिकारी खम्हन सिंह गोआर्य के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कैलाश साहू ने चौबे के 42 वर्ष 9 माह के सेवाकाल और विभिन्न विभागों में उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अधिकारियों ने उनके साथ बिताए पलों को याद कर कर्तव्यपरायणता की सराहना की। धर्मपत्नी अर्चना चौबे और पुत्री राशि चौबे ने भी शासकीय कार्य को प्रथम स्थान देने की बात कही।

समारोह को संयुक्त संचालक विवेक कुमार मिश्रा, ममता अवस्थी, नीतू पांडेय, कृष्ण कांत खरांशु, गिरीश देवांगन सहित अन्य अधिकारियों ने संबोधित किया। अपने संबोधन में देवेन्द्र चौबे ने कहा - यह कार्यस्थल नहीं, परिवार से औपचारिक बिदाई है। सहकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वित्तीय नियमों, पेंशन एवं वेतन निर्धारण में उनका अनुभव सदैव उपलब्ध रहेगा। समारोह के बाद अधिकारी उनके स्थायी निवास राजनांदगांव तक गए, जहां बाजे-गाजे और आतिशबाजी के साथ वित्त सेवा संघ, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर समिति और मोहल्लेवासियों ने भव्य स्वागत किया।

धोखाधड़ी के 2024 के मामले में भिलाई नगर पुलिस की कार्रवाई, तीन आरोपियों को कोर्ट में किया पेश

दुर्ग। थाना भिलाई नगर में दर्ज धोखाधड़ी के पुराने प्रकरण में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 48/2024, धारा 420 भादवि के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। विवेचना के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 35(3) के तहत नोटिस तामील कर विवेचना में शामिल होने का निर्देश दिया। नोटिस के बाद आरोपियों से पूछताछ कर प्रकरण से संबंधित तथ्यों का संकलन किया गया। शिकायतकर्ता का कथन दर्ज कर अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में राहुल सिंह, 37 वर्ष, निवासी गांधी नगर, सुपेला, जिला दुर्ग, मुकेश कुमार शर्मा, 38 वर्ष, निवासी राधिका नगर, सुपेला और कंवलजीत चेलक, 33 वर्ष, निवासी कोसा नगर, सुपेला शामिल हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी धोखाधड़ी या आर्थिक अपराध का शिकार होने पर तत्काल थाने में शिकायत दर्ज कराएं।



अंजोरा में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम

आंगन मिलन सेवा का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है

नई दृष्टिबिंदु / अंजोरा-दुर्ग

जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पांडे, जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा झा के मार्गदर्शन में सेक्टर अंजोरा दुर्ग ग्रामीण अंतर्गत ग्राम पंचायत अंजोरा के अटल समरसता भवन में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत परियोजना स्तरीय जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर उपस्थित रहे। उनके साथ जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य संगीता साहू, सरपंच संतोषी सारथी, उपसरपंच माखन साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया बेलचंदन, अध्यक्ष महिला मोर्चा अंजोरा रामकली साहू, अध्यक्ष महिला मोर्चा उतई शीतला ठाकुर तथा पंचगण ममता साहू, करण वैष्णव, खिलेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पांडे ने कहा कि आंगन मिलन सेवा का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। महिला बाल विकास विभाग की नींव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन हैं और उनके सम्मान, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पौष्टिक थाली, न्योता भोज, खिलौना बैंक के माध्यम से आंगनबाड़ी को सक्षम बनाया जा रहा है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि जब एक गर्भवती माता स्वस्थ होगी तो आने वाली पीढ़ी स्वस्थ होगी। गोदभराई और अन्नप्राशन को सरकार ने पोषण माह से जोड़कर मातृ शक्ति सम्मान बना दिया है।

परियोजना अधिकारी उषा झा ने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटियों के लिए खाता खुलवाने की अपील की। पर्यवेक्षक गीतांजलि ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि, बाल संदर्भ शिविर जैसी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र अंजोरा से पोषण विशेषज्ञ डॉ. निशा शर्मा ने बच्चों को जंक फूड से बचाव, एनीमिया से बचाव और गर्भवती, शिशुवती माताओं को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. गायत्री मढ़रिया ने जच्चा-बच्चा कार्ड की उपयोगिता बताई।

गोदभराई, अन्नप्राशन और स्वस्थ शिशु सम्मान

कार्यक्रम में 3 गर्भवती माताओं दिलेश्वरी, फूलनज, दीप्ति साहू की गोदभराई तथा जियांशी यादव, आरव यादव का अन्नप्राशन किया गया। स्वस्थ शिशु सम्मान भानुप्रताप, शौर्य, चार्ली को दिया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम व स्पर्धाएं

छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कुर्सी दौड़ में प्रथम मोनिका साहू, द्वितीय दामिनी देशमुख, मटका फोड़ में सीता साहू, नेहा तिवारी विजेता रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम लीना सोनी व द्वितीय सीता साहू रहीं। कार्यक्रम में पोषण मटका, पौष्टिक थाली प्रदर्शन, व्यंजन प्रदर्शनी और पर्यवेक्षक गीतांजलि द्वारा आंगनबाड़ी बच्चों के लिए पौष्टिक न्योता भोज का भी आयोजन किया गया।



कुपोषण मुक्ति में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कुपोषण मुक्ति के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आरती वैष्णव, प्रमिला देशमुख, विजय लक्ष्मी, सरोजिनी सोनी, अरुणा सोनी, राधा सारथी, सहायिका गीतांजलि साहू, यशोदा साहू, लीला डहरे, नंदिनी सोनी, गंगोत्री यादव, मंजुला लहरे, मितानिन उमा राजपूत, महेश्वरी निषाद, चित्ररेखा साहू को सम्मानित किया गया। अंत में विधायक ललित चंद्राकर द्वारा सभी को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ और बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ की शपथ दिलाई गई।

यूथ हॉस्टल्स सदस्यों ने कालेज स्टूडेंट से साझा की पर्यटन के क्षेत्र की संभावनाएं



अपोलो कॉलेज दुर्ग में जनसंपर्क और प्रेरणादायी आयोजन में जुटे वाईएएआई सदस्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया दुर्ग-भिलाई इकाई की ओर से अपोलो कॉलेज दुर्ग (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी विभाग) में एक विशेष जनसंपर्क और प्रेरणादायी आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को संस्था के सामान्य परिचय, राष्ट्रव्यापी गतिविधियों तथा इसके उद्देश्यों से अवगत कराते हुए सक्रिय सदस्यता के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के सेक्रेटरी एवं दुर्ग-भिलाई इकाई के चेयरमैन के. सुब्रमण्यम ने संस्था के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगठन, सदस्यता शुल्क, प्रविधि, कार्यप्रणाली, ध्येय और हॉस्टल सुविधाओं के विषय में बेहद विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी साझा किया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ के भीतर रायपुर, दुर्ग-भिलाई, धमतरी, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, जगदलपुर और राजनांदगांव सहित कुल आठ सक्रिय इकाइयाँ निरंतर कार्य कर रही हैं।

संस्था के फाउंडर मेंबर एस. सुरेश राव ने इस अवसर पर अपनी प्रेरणादायी बाइक राइडिंग के अनूठे अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। विदित हो कि एस. सुरेश राव लगभग संपूर्ण भारतवर्ष की यात्रा बाइक से सफलतापूर्वक पूरी कर चुके हैं। वे लेह-लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर पूर्वी क्षेत्र के भी लगभग सभी महत्त्वपूर्ण स्थानों तक बाइक यात्रा कर चुके हैं।

दुर्ग-भिलाई इकाई के ईपीसी पी. के. सिंह ने अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि जब वे अपने करियर के शुरूआती दिनों में कोचीन शिपयार्ड में थे, तब पहली बार वे यूथ हॉस्टल्स से जुड़े थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं की विभिन्न जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान किया और उन्हें इस मंच के माध्यम से मिलने वाले स्वर्णिम अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपोलो कॉलेज के डायरेक्टर आशीष अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य, शारीरिक एवं मानसिक सुदृढ़ता तथा एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करने के दृष्टिकोण से यूथ हॉस्टल्स एक बेहद सशक्त मंच है।

इस अवसर पर अपोलो कॉलेज ऑफ फार्मेसी से प्राध्यापकगण संध्या चन्द्राकर, विजय वर्मा, ऋतु साहू, गिरीश कुमार, लक्ष्मी नारायण साहू, हर्ष साव, अलका सेन तथा फिजियोथेरेपी विभाग के प्राचार्य डॉ. विपिन चन्द्राकर, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. अविनाश कुशवाहा, डॉ. प्रिया देशमुख, डॉ. सौरभ कुशवाहा, डॉ. सीमा साहू और डॉ. नामिया जे. समनानी उपस्थित रहे।

दिवाली से पहले बहनों को मिला खुशियों का उपहार : महतारी वंदन की 33वीं किस्त जारी

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन अवसर पर नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मैदान से केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त जारी की। प्रदेश की पात्र हितग्राही महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से 1-1 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने 33वीं किस्त जारी होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विधायक चंद्राकर ने कहा कि महतारी वंदन योजना से दुर्ग ग्रामीण सहित प्रदेश की लाखों महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपनी छोटी-छोटी जरूरतें स्वयं पूरी कर पा रही हैं। महिलाओं के चेहरे पर खुशी और उनके जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव ही इस योजना की सार्थकता है।



उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना केंद्र एवं राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी सहित विभिन्न योजनाओं से लोगों को आर्थिक संबल मिल रहा है।

विधायक ने कहा कि 33वीं किस्त जारी होना महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतरता है और सरकार पात्र हितग्राहियों को नियमित लाभ सुनिश्चित कर रही है। महिला सशक्तिकरण से ही परिवारों में समृद्धि और हर आंगन में खुशियों की रोशनी फैलेगी। उन्होंने इस पहल के लिए गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एवं मंत्रिमंडल के प्रति आभार व्यक्त किया।

नहीं रहीं दुर्ग की कांग्रेस नेत्री व वरिष्ठ अधिकवक्ता कल्पना देशमुख

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल-वरिष्ठ कांग्रेस नेता और दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा हुए अंत्येष्टि में शामिल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती कल्पना देशमुख के आकस्मिक निधन से कांग्रेस परिवार में शोक की लहर है। 4 नवंबर की सुबह रायपुर स्थित एम्स में उन्होंने अंतिम सांस ली छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।



भूपेश बघेल ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की एक निष्ठावान कार्यकर्ता होने के साथ-साथ बेहद संवेदनशील, मिलनसार और दृढ़ व्यक्तित्व की धनी थीं। कांग्रेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का उनका स्वभाव हमेशा याद आएगा।

अरुण वोरा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कल्पना देशमुख जी का जाना उनके लिए केवल एक राजनीतिक साथी को खोना नहीं, बल्कि परिवार के एक आत्मीय सदस्य को खोने जैसा है। उनके साथ वर्षों का आत्मीय जुड़ाव, स्नेह और अनेक स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। कुछ रिश्ते पद और परिचय के दायरे से कहीं आगे होते हैं। कल्पना जी उन्हीं आत्मीय रिश्तों में से एक थीं। उनका चले जाना व्यक्तिगत रूप से भी उन्हें गहरा आघात पहुंचाने वाला है। इस अपूरणीय क्षति को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते 18 जुआरी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सार्वजनिक स्थानों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलने वालों पर दुर्ग पुलिस ने लगातार कार्रवाई जारी रखते हुए 4 अलग-अलग प्रकरणों में 18 व्यक्तियों को पकड़ा है। पुलिस ने कुल 17,950 नगद और 208 पत्ती ताश जप्त की है। दुर्ग पुलिस द्वारा 3 एवं 4 नवंबर 2026 को थाना नंदिनी, धमधा एवं उतई क्षेत्र में यह अभियान चलाया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।



प्रकरणवार कार्रवाई

थाना नंदिनी - अपराध क्रमांक 385/26 ग्राम कोड़िया, शासकीय स्कूल के पीछे। 3. नवंबर 2026 रात्रि 20:30 से 21:30 बजे। 4 आरोपी - प्रताप यादव, कैलाश देशलहरे, दीपेंद्र सिंह, युवराज साहू। जप्ती: 1,800 व 52 पत्ती।

थाना धमधा - अपराध क्रमांक 351/26 पत्थर खदान किनारे, ग्राम राजपुर। 16 आरोपी - टेकराम साहू, गजेंद्र विश्वकर्मा, हेम कुमार कोसरे, रेवदास गायकवाड, बालत राम साहू, कमलेश साहू। जप्ती: 12,020 व 52 पत्ती।

थाना उतई - अपराध क्रमांक 543/26 पानी टंकी के नीचे, पतोरा। 5 आरोपी - तोमेस साहू, शेषनारायण साहू, खिलेश्वर साहू, तामेश्वर देवांगन, दिलेश्वर साहू। जप्ती: 2,280 व 52 पत्ती।

थाना उतई - अपराध क्रमांक 544/26 इडरा नहर के पास। 3 आरोपी - गौतम कोसरे, अमन बघेल, जालम सिंह टंडन। जप्ती: 1,850 व 52 पत्ती।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ताश पत्तियों पर दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

मुख्यमंत्री साय ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन को दिखाई हरी झंडी, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

जशपुर के गांव-गांव तक पहुंचेगी डिजिटल शिक्षा, बच्चों, युवाओं और महिलाओं को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और बेसिक आईटी का दिया जाएगा प्रशिक्षण, 12 से 60 वर्ष तक के नागरिक होंगे लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान विश्राम गृह परिसर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एनआईआईटी फाउंडेशन द्वारा इंडस टावर्स के सहयोग से संचालित यह पहल जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों का विस्तार करेगी। इसके माध्यम से ग्रामीण बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं अन्य नागरिकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसरों का आधार बन चुकी है। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक आधुनिक तकनीक और डिजिटल शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ने के साथ उनके कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।



मुख्यमंत्री श्री साय ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन का अवलोकन कर उसमें उपलब्ध आधुनिक डिजिटल सुविधाओं एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने वैन में स्थापित डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हुए ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस कॉल में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने एनआईआईटी फाउंडेशन और इंडस टावर्स के इस संयुक्त प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

जशपुर के गांवों में एक महीने का मिलेगा नि:शुल्क डिजिटल प्रशिक्षण

डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन जशपुर विकासखंड के विभिन्न गांवों में पहुंचकर 12 से 60 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों को निःशुल्क डिजिटल शिक्षा एवं कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इसके अंतर्गत एक महीने का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जिसमें डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और बेसिक आईटी जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल होंगे।

प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को कंप्यूटर एवं डिजिटल उपकरणों के उपयोग, इंटरनेट की बुनियादी जानकारी तथा डिजिटल तकनीक के सुरक्षित एवं प्रभावी इस्तेमाल के संबंध में व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता बढ़ाने, तकनीकी कौशल विकसित करने और डिजिटल विभाजन को कम करने में सहायता मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की महत्वपूर्ण पहल

यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन एक चलते-फिरते प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करेगी, जिससे ग्रामीण नागरिकों को डिजिटल शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूरस्थ शहरी केंद्रों तक जाने की आवश्यकता कम होगी। विशेष रूप से ग्रामीण बच्चों, युवाओं और महिलाओं को अपने आसपास ही आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, सुनील गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर एनआईआईटी फाउंडेशन के नेशनल हेड पूर्णेन्दु हुड्डा, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जितेंद्र राठौर, इंडस टावर्स के प्रतिनिधि रजनीश सहित एनआईआईटी फाउंडेशन की जशपुर टीम के सदस्य भी उपस्थित थे।

खास खबर

वन मंत्री कश्यप ने जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक का किया शुभारंभ



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-नारायणपुर

बस्तर ओलंपिक के प्रति युवाओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। नारायणपुर जिले में इस वर्ष लगभग 63 हजार युवाओं ने बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन कराया है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या लगभग 48 हजार थी। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर में जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का शुभारंभ किया। इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के युवाओं को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बस्तर ओलंपिक और युवा उत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रहे हैं। खेलों में हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन और आपसी सहयोग है। उन्होंने युवाओं से प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपनी प्रतिभा से गांव, जिले तथा प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक में युवाओं की बढ़ती भागीदारी क्षेत्र में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाती है।

कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि इस वर्ष जिले में बस्तर ओलंपिक एवं युवा उत्सव के लिए युवाओं के पंजीयन में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इस बार पिछली बार के मुकाबले 15 हजार अधिक प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। उल्लेखनीय है कि बस्तर ओलंपिक में 11 खेल विधाओं और जिला स्तरीय युवा उत्सव में नौ विधाओं को शामिल किया गया है प्रतियोगिताओं की शुरूआत स्कूली छात्राओं की पारंपरिक रस्साकसी से हुई। इसके बाद 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की 100 मीटर दौड़ आयोजित की गई। पहले दिन कबड्डी, खो-खो, दौड़, रस्साकसी, फुटबॉल और तीरंदाजी सहित विभिन्न खेलों में ग्रामीण अंचलों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम और जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ का परचम लहराने वाले जांबाज पुलिस अधिकारियों से मिले उप मुख्यमंत्री शर्मा, साहस और अनुशासन की सराहना की

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में छत्तीसगढ़ के वीर जवानों ने पूरे देश के सामने प्रस्तुत की बस्तर के शौर्य, संघर्ष और विजय की गौरवगाथा



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में अपने अदम्य साहस, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाले पुलिस अधिकारियों से उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने मुलाकात की। उन्होंने परेड में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों को बधाई देते हुए उनके अनुभवों को जाना और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के सुरक्षा बलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और सभी के साथ भोजन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित भव्य परेड में छत्तीसगढ़ के जवानों की सहभागिता पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण था। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। जब हमारे जवान पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और गर्व के साथ कदम से कदम मिलाकर मार्च कर रहे थे, तब वह दृश्य अत्यंत भावुक और गर्व से भर देने वाला था। हमारे जवान केवल एक परेड में हिस्सा नहीं ले रहे थे, बल्कि वे पूरे देश के सामने छत्तीसगढ़ के साहस, संघर्ष और बदलते बस्तर की नई पहचान प्रस्तुत कर रहे थे।

बस्तर की महिला कमांडो का आत्मविश्वास अद्भुत

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विशेष रूप से बस्तर फाइटर्स की महिला कमांडो के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस आत्मविश्वास, जोश और दृढ़ता के साथ बस्तर की महिला कमांडो ने परेड में मार्च किया, वह अद्भुत था। उस क्षण वे केवल अपनी टुकड़ी का नेतृत्व नहीं कर रही थीं, बल्कि पूरे बस्तर की महिलाओं की शक्ति, साहस और आत्मसम्मान का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।

श्री शर्मा ने कहा कि जिन क्षेत्रों को कभी नक्सल हिंसा और भय के कारण जाना जाता था, आज उन्हीं क्षेत्रों की बेटियां पूरे देश के सामने अपने साहस और सामर्थ्य का प्रदर्शन कर रही हैं। यह बदलते बस्तर की सबसे सुंदर और प्रेरणादायक तस्वीर है। बस्तर की इन बेटियों ने दिखा दिया है कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना करने और देश का गौरव बढ़ाने में सक्षम हैं।

एकता नगर की भव्यता और देशभर से मिले स्नेह ने मन मोह लिया

मुलाकात के दौरान परेड में शामिल अधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के लिए उन्होंने लगातार कठिन अभ्यास और मेहनत की थी। देश के विभिन्न सुरक्षा बलों के साथ एक ही मंच पर प्रदर्शन करना उनके लिए जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहा। अधिकारियों ने बताया कि एकता नगर की सुंदरता, भव्यता और वहां की व्यवस्थाएं उनकी कल्पना से भी कहीं अधिक शानदार थीं। उन्होंने कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ से उन्हें लगातार बधाइयां और शुभकामनाएं प्राप्त हुईं, जिससे उनका उत्साह कई गुना बढ़ गया।

जवानों ने भावुक होकर बताया कि उनके लिए सबसे गर्व का क्षण वह था, जब पूरे देश के सामने छत्तीसगढ़ पुलिस और बस्तर के सुरक्षा बलों के योगदान को प्रस्तुत करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि हमने पूरे गर्व के साथ देश को बताया कि किस प्रकार सभी ने मिलकर नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष किया और उसे समाप्त करने में अपनी भूमिका निभाई। यह केवल परेड में शामिल होने का अवसर नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, साथियों के बलिदान और बस्तर में स्थापित हो रही शांति की विजयगाथा को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर था।

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में इन अधिकारियों ने निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में डीएसपी बृज किशोर यादव ने संपूर्ण परेड के द्वितीय कमान अधिकारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। वे वर्तमान में बीजापुर जिले के कुटरू में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) के पद पर पदस्थ हैं। डीएसपी जितेंद्र कुम्भकार परेड के आरक्षित टू-आईसी रहे। वे वर्तमान में सुकमा जिले के कोंटा में एसडीओपी के पद पर पदस्थ हैं। डीएसपी कुलदीप बंजारे ने डीआरजी की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व किया। शरद जायसवाल डीआरजी पुरुष टुकड़ी के आरक्षित कमांडर रहे। डीएसपी सुश्री अमृता पैकरा ने डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स की महिला टुकड़ी का नेतृत्व किया। सुश्री कविता धुर्वे महिला टुकड़ी की आरक्षित कमांडर रहीं। इसी प्रकार डीएसपी श्री प्रदीप भारती एसटीएफ टुकड़ी के आरक्षित अधिकारी रहे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी अधिकारियों के समर्पण, कठिन परिश्रम और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। आप सभी का साहस और अनुशासन प्रदेश के अन्य पुलिसकर्मियों तथा युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष से शांति और विकास तक की यात्रा का प्रतीक बनी परेड

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने साहस, समर्पण और बलिदान से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ी है। आज उसी संघर्ष और सफलता की कहानी राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि बस्तर आज भय और हिंसा के अतीत से निकलकर शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस परिवर्तन में हमारे वीर जवानों की भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। राष्ट्रीय एकता दिवस की परेड में छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और एसटीएफ की सहभागिता ने पूरे देश को छत्तीसगढ़ के पराक्रम और मजबूत संकल्प का संदेश दिया है।

सुविधाएं दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के हाट-बाजारों में आम नागरिकों को मिलेगी नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं

सीएम साय ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की 4 मोबाइल मेडिकल यूनिट का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान विश्राम गृह परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की चार मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया। इन मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में रहने वाले नागरिकों को उनके नजदीकी हाट-बाजारों में निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के नागरिकों के लिए लाभकारी होगी, जहां स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विशेष रूप से जनजातीय बहुल और दूरस्थ अंचलों में रहने वाले नागरिकों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में किसी भी व्यक्ति को उपचार से वंचित न रहना पड़े, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर जैसे भौगोलिक रूप से विस्तृत और वनांचल क्षेत्रों वाले जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनेंगी। हाट-बाजार ग्रामीण जीवन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन स्थानों पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। इससे उपचार के लिए दूरस्थ स्वास्थ्य संस्थानों तक जाने में लगने वाले समय और खर्च में भी कमी आएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में रेडक्रॉस सोसायटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। चार मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरूआत से जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और विशेष रूप से जरूरतमंद एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला हैं। राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ ही ऐसी जनहितकारी पहलों को प्रोत्साहित कर रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाएं सीधे नागरिकों तक पहुंच सकें।

इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, सुनील गुप्ता, भरत सिंह, अमर सुल्तानिया, कृष्णा राय, सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा, सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर बागबाहरा में स्मृति भवन और शिशु वाटिका का मंत्री चौधरी ने किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



शिशु वाटिका का भूमि पूजन

महासमुंद जिले के बागबाहरा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्मृति भवन एवं शिशु वाटिका का भूमि पूजन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने स्मृति भवन निर्माण के लिए अपनी ओर से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने सांसद निधि से 10 लाख रुपये का सहयोग दिया है। इस कक्ष का भूमि पूजन भी श्री चौधरी ने किया। स्मृति भवन निर्माण के लिए पूर्व छात्र अब तक 32 लाख रुपये का सहयोग दे चुके हैं। सरस्वती शिशु मंदिर बागबाहरा में स्मृति भवन एवं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने विद्यार्थियों और युवाओं से जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय कर उसके लिए दृढ़ संकल्प एवं निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने छात्र जीवन से लेकर भारतीय प्रशासनिक सेवा तक के सफर के अनुभव साझा किए। श्री चौधरी ने बताया कि उन्होंने 11 वर्ष की आयु में आईएएस अधिकारी बनने का लक्ष्य निर्धारित किया था और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद मेहनत एवं संकल्प से उसे हासिल किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर पुलिस लाइन में किया हेलमेट बैंक का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर पुलिस लाइन में जशपुर पुलिस द्वारा स्थापित हेलमेट बैंक का शुभारंभ किया। सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि रोकने और नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस अभिनव पहल के अंतर्गत हेलमेट बैंक में 1000 हेलमेट उपलब्ध कराए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर दोपहिया वाहन चालकों को यहां से अस्थायी रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट और चारपहिया वाहन में यात्रा करते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अनेक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। हेलमेट का नियमित उपयोग ऐसी दुर्घटनाओं में गंभीर चोट और मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। उन्होंने कहा कि एक छोटी सी सावधानी न केवल हमारा जीवन सुरक्षित रख सकती है, बल्कि हमारे परिवार को भी अपूरणीय क्षति से बचा सकती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाना चाहिए।



जशपुर पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान भी संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के वाहन जब्त किए जा रहे हैं तथा नया हेलमेट खरीदकर उसकी रसीद प्रस्तुत करने पर बिना चालान काटे वाहन छोड़ा जा रहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि नागरिकों में हेलमेट के नियमित उपयोग की आदत विकसित करना है।

जशपुर पुलिस ने संकल्प लिया है कि जिले में दोपहिया वाहन से यात्रा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति हेलमेट का उपयोग करे। हर सिर पर हेलमेट, सुरक्षित आप, सुरक्षित परिवारइस संदेश के साथ शुरू की गई यह पहल सड़क सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास है।

इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, सुनील गुप्ता, भरत सिंह, अमर सुल्तानिया, कृष्णा राय, सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा, सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

साबित कुछ कर नहीं पाते, नए नए आरोप लगाते हैं

ऐसे नेता जो साबित कुछ नहीं कर पाते हैं और नए नए आरोप लगाते रहते हैं, वह कभी सफल नेता नहीं माने जाते हैं क्योंकि ऐसे नेता को कोई गंभीरता से नहीं लेता है, सब यही कहते हैं कि यह तो आए दिन आरोप लगाता है लेकिन साबित कुछ नहीं कर पाता है, क्योंकि उसके पास अपने आरोप को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं होता है। ऐसे नेता के आए दिन लगाए जाने वालों आरोपों को जनता भी गंभीरता से नहीं लेती है, वह भी मान लेती है, इसकी तो आरोप लगाने की आदत है, यह आज कुछ आरोप लगा रहा है तो कल को कुछ और आरोप भी लगा सकता है।इस तरह के आचरण से नेता की छबि तो प्रभावित होती ही है, पार्टी को भी ऐसे नेता के कारण राजनीतिक नुकसान होता है। नेता ही भरोसे लायक नहीं होता है तो पार्टी पर भी लोगों का भरोसा ज्यादा नहीं रहता है।नेता की छबि से ही पार्टी की छवि बनती है, नेता की छबि खराब होती है तो पार्टी की छबि भी खराब होती है।

राहुल गांधी कांग्रेस के ऐसे ही नेता हैं, वह आए दिन पीएम मोदी पर, संवैधानिक संस्थाओं पर नए नए आरोप लगाते रहते हैं लेकिन वह अपने किसी आरोप को आज तक साबित नहीं कर सके है।वह पीएम मोदी को डरपोक, कायर, सरेंडर करने वाला नेता कह चुके हैं, एक बार नही कई बार कह चुके हैं लेकिन साबित कुछ नहीं कर सके क्योंकि उनके पास साबित करने के लिए कोई सबूत था ही नहीं।वह नरेंद्र मोदी को डरपोक पीएम कहते रहे और नरेंद्र मोदी एक के एक बाद स्ट्राइक कर खुदं को सबसे बहादुर नेता साबित करते रहे। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने के बाद तो देश की जनता कोई कितना भी कहे पीएम मोदी डरपोक नेता है, जनता मानती नहीं है, जनता तो वही देखती है जो उसे दिखाई देता है और उसे दिखाई दिया है पीएम मोदी एक बहादुर नेता हैं, देश के लिए जीने वाला नेता हैं, वह कभी कुछ गलत नहीं कर सकता।गरीबों से लेकर अमीरों तक के लिए पीएम मोदी ने काम किया है, इसलिए वह सभी के लोकप्रिय नेता हैं।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की सरकार का मजाक उड़ाया था सूट बूट की सरकार कहकर। जनता ने जरा भी राहुल गांधी की बात पर भरोसा नहीं किया। एक बार उनकी सरकार का काम देखने के बाद जनता उनको दूसरी बार के बाद तीसरी बार भी उनकी सरकार बनाई है। यानी जनता ने तीन बार के चुनाव में साबित कर दिया है कि फिलहाल तो पीएम मोदी पर कोई भी कैसा भी आरोप लगाते रहे जनता उसके साथ है और उसे बदलने वाली नहीं है।हाल ही में जनता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के यह कहने पर कि मोदी क्या मोदी का बाप जाएगा, यह जवाब दिया है कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएगा। जब जनता खुद कहती है कि मोदी कहीं नहीं जाएगा तो उसका यही मतलब होता है कि जनता पीएम मोदी के साथ है, जनता भाजपा के साथ है जनता राहुल गांधी के साथ नहीं है, जनता कांग्रेस के साथ नहीं है।

राहुल गांधी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी व ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे व एसआईआर के विरोध में रैली का आयोजन किया और दस लाख लोग आएंगे कहकर यह साबित करने का प्रयास किया कि लोग पीएम मोदी से नाराज हैं, ज्ञानेश कुमार की वोट चोरी से नाराज है, एसआईआर में लोगों के नाम काटे जाने से लोग नाराज हैं।लेकिन दस लाख लोग तो रैली नहीं आए और राहुल गांधी फिर साबित नहीं कर पाए कि देश के लोग पीएम मोदी से नाराज है, वह उनको सत्ता से हटाना चाहते हैं। पचास हजार लोगों के रैली में आने से तो यही साबित हुआ कि राहुल गांधी के साथ देश की जनता नहीं है, राहुल गांधी की बातों पर देश की जनता को यकीन नहीं है। क्योंकि जनता को तो लगता नहीं है कि उसका वोट चोरी हुआ है, वह तो जिसको वोट देकर आती है, वही जीतता है।वह तो जानती है कि उसने जिसको वोट दिया है, वही जीता है।

वोट चोरी, एसआईआर में वोट काटने के मामले में राहुल गांधी महीनों के बाद भी कोई सबूत पेश नहीं कर पाए हैं, न तो राष्ट्रपति को सबूत देने गए और न ही सुप्रीम कोर्ट में कोई सबूत अब तक पेश कर पाएं हैं कि देश में हो रहे चुनाव में वोट चोरी हो रही है तो कैसे हो रही है, राम लीला मैदान में भी राहुल गांधी व विपक्ष वोट चोरी का कोई सबूत पेश नहीं कर सका है।राम लीला मैदान की रैली बुरी तरह फ्लाप होने के बाद लोग उम्मीद कर रहे थे कि राहुल गांधी अब कोई नया आरोप लगाएंगे और उन्होंने ऐसा ही किया है पीएम मोदी पर यह आरोप लगाकर कि पीएम मोदी विदेशी मदद से पीएम बने हैं और इसी मदद के सहारे वह पीएम पद पर बने हुए है। राहुल गांधी का यह आरोप तो वोट चोरी से भी ज्यादा अविश्वनीय है क्योंकि देश की जनता बखूबी जानती हैं कि विदेशी ताकतें तो मोदी विरोधी है, वह मोदी को सत्ता से हटाने के लिए देश में राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठनों को अराजकता फैलाने के लिए पैसा देती रहती है और ऐसे संगठन कभी शाहीन बाग, कभी किसान आंदोलन, कभी पेपर लीक, कभी वोट चोरी के नाम पर देश मे अराजकता फैलाने का प्रयास करते रहते हैं और मोदी उनको देश मे अराजकता फैलाने से रोकने में अब तक सफल हैं।

श्रम से सृजन तक – मशीनों के युग में मनुष्य बने रहने की चुनौती

काम करना और काम में जीना – दो अलग-अलग अनुभूतियाँ हैं

आचार्य डॉ. अजय आर्य प्रख्यात वैदिक विचारक, लेखक और समाजसेवी



मनुष्य के हाथों में एक अद्भुत जादू होता है। ये हाथ जब मिट्टी को छूते हैं तो उससे आकार निकलता है, लकड़ी को छूते हैं तो सुंदर कलाकृति बन जाती है, धागों को छूते हैं तो वस्त्र तैयार हो जाते हैं और ईंट-पत्थरों को जोड़ते हैं तो भवन खड़े हो जाते हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसी अनुभूति भी जन्म लेती है, जिसे न तो किसी मशीन से खरीदा जा सकता है और न ही किसी वेतन से मापा जा सकता है। वह है – अपने श्रम से कुछ रचने का आनंद, अपने बनाए हुए को देखकर मन में उठने वाला आत्मगौरव और यह संतोष कि इस निर्माण में मेरे हाथों के साथ मेरी कल्पना, मेरी रुचि और मेरी आत्मीयता भी सम्मिलित है। शायद यही वह बिंदु है जहाँ श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं रह जाता, बल्कि मनुष्य की रचनात्मक अभिव्यक्ति बन जाता है।

कल प्रोफेसर अम्बरीश त्रिपाठी जी से मुलाकात हुई। बातचीत का विषय सामान्य था, लेकिन उसके भीतर छिपा प्रश्न बहुत असाधारण था। वर्तमान समय में श्रमिकों की कार्यशैली, काम के प्रति उनका लगाव और बदलती हुई कार्यसंस्कृति पर चर्चा चल रही थी। बातचीत में एक बात बार-बार उभरकर सामने आई कि आज किसी व्यक्ति को कितना भी प्रोफेशनल क्यों न कह दिया जाए, जब तक आप उसके सामने खड़े होकर उसे काम करने के लिए निर्देशित नहीं करते, तब तक वह प्रायः उतना ही काम करता है, जितना उसके लिए निर्धारित कर दिया गया है। काम की एक लकीर खींच दीजिए, वह उसी लकीर के भीतर चलता रहेगा। उसके आगे क्या किया जा सकता है, काम को और सुंदर, टिकाऊ या बेहतर बनाने के लिए कौन-सा छोटा-सा अतिरिक्त प्रयास किया जा सकता है, इसकी चिंता अक्सर दिखाई नहीं देती।

त्रिपाठी जी ने अपने घर के दरवाजों से जुड़ा एक अनुभव सुनाया। दरवाजों के निचले हिस्से में जंग लगकर उनके गलने की समस्या पैदा हो रही थी। उन्होंने भवन निर्माण से जुड़े व्यक्ति को बुलाकर कारण पूछा। उसने बताया कि दरवाजे के ऊपर से गिरने वाला पानी नीचे की पाइप जैसी खोखली संरचना में जमा हो जाता है और बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिलने के कारण नीचे का हिस्सा धीरे-धीरे गलने लगता है। त्रिपाठी जी ने सहज बुद्धि से सुझाव दिया कि नीचे भी एक छोटा-सा छेद कर दिया जाए, जिससे पानी बाहर निकल सके। बात सुनने में कितनी सरल थी! लेकिन उस छोटे-से काम को करवाने के लिए कई बार कहना पड़ा। अंततः कारीगर आया, वेल्डिंग की, अपना पारिश्रमिक लिया और चला गया। काम पूरा करके एक बार यह देखना भी जरूरी नहीं समझा कि समस्या का स्थायी समाधान हुआ या नहीं।

बात केवल एक दरवाजे में छेद करने या वेल्डिंग करने की नहीं थी। बात उस मानसिकता की थी जिसमें काम की जिम्मेदारी काम पूरा होते ही समाप्त हो जाती है, लेकिन काम के प्रति आत्मीयता शायद शुरू ही नहीं हो पाती। किसी काम को करना और उस काम को अपना समझकर करना – इन दोनों के बीच एक बहुत महीन, लेकिन महत्त्वपूर्ण अंतर है। पहला व्यक्ति को मजदूरी देता है, दूसरा उसे आत्मसंतोष देता है।

इस बातचीत के दौरान मुझे अपने घर का एक छोटा-सा दरवाजा याद आ गया। पिछले तीन वर्षों से हम लगातार प्रोफेशनल पेंटर से दरवाजे को पेंट करवाते आ रहे थे। इस बार भी पेंटर का इंतजार था। प्रतीक्षा लंबी होती जा रही थी और काम अपनी जगह खड़ा था। अंततः मैंने सोचा कि आखिर कब तक किसी दूसरे के आने की प्रतीक्षा करता रहूँ? क्यों न स्वयं ही ब्रश उठाकर इस काम को पूरा कर लिया जाए? रात के लगभग आठ बजे मैंने पेंट और ब्रश उठाया और दरवाजे को रंगने में जुट गया। डेढ़-दो घंटे तक हाथ रंग में डूबे रहे। कभी ब्रश को कोने तक पहुँचाना, कभी रंग की परत को बराबर करना और कभी यह देखना कि कहीं कोई हिस्सा छूट तो नहीं गया। काम पूरा हुआ तो एक अलग ही संतोष था।

लेकिन असली सीख पेंट करते समय मिली। मेरी दृष्टि दरवाजे के उस हिस्से पर गई जहाँ लॉक लगाने की व्यवस्था होती है और कुंडी का बोल्ट भीतर जाता है। उसके पीछे का हिस्सा पेंट नहीं हुआ था। मुझे आश्चर्य हुआ कि तीन वर्षों से लगातार प्रोफेशनल पेंटर से काम करवाने के बावजूद यह छोटा-सा हिस्सा उपेक्षित रह गया था। वहाँ तक ब्रश पहुँचाने के लिए कोई असाधारण कौशल नहीं चाहिए था, केवल थोड़ी अतिरिक्त सावधानी और लगन की जरूरत थी। संभव है पेंटर ने उसे देखा ही न हो, या उसके लिए वह जरूरी न रहा हो। लेकिन उस छोटे-से अधूरे हिस्से ने मेरे सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा कर दिया – क्या किसी काम का पेशेवर होना ही उसके उत्कृष्ट होने की गारंटी है?

उस रात मुझे लगा कि डेढ़-दो घंटे में मैंने केवल एक दरवाजा पेंट नहीं किया, बल्कि अपने भीतर के एक छोटे-से रचनाकार से भी मुलाकात की। अपने हाथों से काम करने का आनंद कुछ और ही होता है। उसमें गलती होने की संभावना भी अपनी होती है और उसे सुधारने की जिम्मेदारी भी अपनी। कोई दूसरा यह नहीं कहता कि यह हिस्सा मेरी जिम्मेदारी में नहीं आता। जब काम अपना होता है, तब आँखें भी अधिक सजग होती हैं और हाथ भी अधिक ईमानदार।

दर्जी जब किसी व्यक्ति को अपनी सिली हुई पोशाक पहने देखता है तो उसके चेहरे पर एक विशेष चमक आ जाती है। वह गर्व से कहता है – यह मैंने सिली है। राजमिस्त्री वर्षों बाद किसी सुंदर भवन को देखकर अपने भीतर एक परिचित दीवार खोज लेता है। बढ़ई अपने बनाए फर्नीचर को देखकर उसे केवल लकड़ी का सामान नहीं समझता। मूर्तिकार अपनी मूर्ति के सामने खड़ा होता है तो उसे पत्थर में अपना श्रम और अपनी कल्पना दिखाई देती है। किसान अपनी लहलहाती फसल को देखकर केवल अनाज की मात्रा नहीं गिनता, वह अपने पसीने को खेतों में हरियाली बनकर लहराते हुए देखता है। इन सभी के भीतर एक रचनाकार बैठा होता है, जो अपने काम के माध्यम से संसार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है।

मनुष्य को अपने श्रम से निर्मित वस्तु में जब अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है, तभी श्रम आत्मगौरव और सृजनशीलता में बदलता है।

यहीं से विचारों की यात्रा जर्मन दार्शनिक कार्ल मार्क्स तक पहुँचती है। मार्क्स का प्रसिद्ध सिद्धांत 'श्रम का अलगाव' इसी मानवीय संकट को समझने का प्रयास करता है। मार्क्स ने पूँजीवादी उत्पादन व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए बताया कि जब श्रमिक अपने श्रम, अपने द्वारा निर्मित वस्तु और उत्पादन की प्रक्रिया से अपना आत्मीय संबंध खो देता है, तब श्रम उसके लिए केवल जीविका कमाने का साधन बनकर रह जाता है। वह जो वस्तु बनाता है, उस पर उसका अधिकार नहीं होता। वह उत्पादन की विशाल व्यवस्था में एक छोटे-से पुर्जे की तरह काम करने लगता है। उसके श्रम में उसकी स्वतंत्र रचनात्मकता और आत्मसंतोष के लिए स्थान कम होता जाता है।

यह समझना आवश्यक है कि मार्क्स मशीनों के विरोधी नहीं थे। उनका मूल प्रश्न यह था कि मशीनों और उत्पादन के साधनों का स्वामित्व किसके हाथ में है और उनसे पैदा होने वाली समृद्धि का लाभ किसे मिलता है? मशीनें मनुष्य के श्रम को सरल बनाने के बजाय यदि उसे अधिक पराधीन और अलग-थलग कर दें, तो विकास की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। मार्क्स के चिंतन में मनुष्य का अपने श्रम से अलगाव केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व और उसकी रचनात्मक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है।

लेकिन मशीनों के इस बढ़ते संसार में एक चुनौती इससे भी अधिक गंभीर है। कहीं ऐसा तो नहीं कि मशीनों के बीच रहते-रहते मनुष्य स्वयं भी मशीन बनता जा रहा है? हमारी दिनचर्या, हमारी बातचीत, हमारी प्रतिक्रियाएँ, यहाँ तक कि हमारे भाव और संवेदनाएँ भी एक निश्चित ढर्रे पर चलने लगी हैं। हम दृश्य देखते हैं, लेकिन ठहरकर सोचते नहीं। बातें सुनते हैं, लेकिन उनके भीतर छिपे भावों को महसूस नहीं करते। काम करते हैं, लेकिन यह अनुभव नहीं करते कि उस काम से हमारा या किसी दूसरे का जीवन कितना सुंदर बन सकता है। हमारी प्रतिक्रियाएँ यांत्रिक होती जा रही हैं और संवेदनाएँ धीरे-धीरे मौन। हम व्यस्त तो बहुत हैं, लेकिन क्या सचमुच जीवंत भी हैं?

मनुष्य का सबसे बड़ा संकट यह नहीं है कि मशीनें उसके काम करने लगी हैं, बल्कि यह है कि वह स्वयं भी मशीन की तरह व्यवहार करने लगा है। जब जीवन केवल समय-सारणी, जिम्मेदारियों, लक्ष्य और परिणामों तक सीमित हो जाता है, तब उसमें से सहजता, आत्मीयता और आनंद कम होने लगता है। हम सुबह उठते हैं, काम पर जाते हैं, लौटते हैं, खाते हैं, सोते हैं और फिर उसी क्रम को दोहराते हैं। यह दिनचर्या आवश्यक हो सकती है, लेकिन जीवन केवल दिनचर्या का नाम नहीं है। जीवन का अर्थ है – हर दिन कुछ महसूस करना, कुछ नया सोचना, किसी के दुख को समझना, किसी की मुस्कान में सहभागी होना और अपने सामान्य से काम में भी कोई विशेष आनंद खोज लेना।

आज मशीनों का संसार पहले से कहीं अधिक विस्तृत हो चुका है। कारखानों में रोबोट काम कर रहे हैं, कंप्यूटर निर्णय लेने में सहायता कर रहे हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता मनुष्य के अनेक बौद्धिक कार्यों में सहभागी बन रही है। यह सब मानव प्रतिभा की अद्भुत उपलब्धियाँ हैं। तकनीक ने हमारे जीवन को अनेक सुविधाएँ दी हैं, समय बचाया है और कठिन कार्यों को सरल बनाया है। लेकिन इसी के बीच एक प्रश्न हमारे सामने खड़ा है – क्या हमने काम को इतना यांत्रिक बना दिया है कि काम करने वाले व्यक्ति की संवेदना, कल्पनाशीलता और आत्मीयता धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है? मशीनों ने उत्पादन की गति बढ़ाई है, लेकिन क्या उन्होंने मनुष्य के भीतर काम करने का आनंद भी बढ़ाया है?

वास्तव में काम की थकान हमेशा शरीर से नहीं आती, कई बार वह मन की अरुचि और भावशून्यता से भी पैदा होती है। जिस काम को हम बोझ समझकर करते हैं, वही काम यदि थोड़ी रुचि, आत्मीयता और सृजनशीलता के साथ किया जाए तो उसकी थकान भी एक सुखद संतोष में बदल सकती है। पौधे में पानी डालना केवल एक दैनिक काम है, लेकिन उस पौधे को बढ़ते हुए देखना, उसकी नई पत्ती को महसूस करना और उसके जीवन में अपनी छोटी-सी भूमिका पहचानना आनंद का अनुभव है। किसी बच्चे को पढ़ाना केवल नौकरी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन उसके भीतर ज्ञान का प्रकाश जगते देखना एक शिक्षक के लिए जीवन का अनुपम आनंद बन जाता है।

आनंदपूर्वक जीने के लिए जरूरी है कि हम केवल काम न करें, काम को महसूस भी करें। अपने आसपास के दृश्यों को केवल आँखों से न देखें, उन्हें मन से भी देखें। लोगों की बातें केवल सुनें नहीं, उनके भावों को भी समझें। अपने दायित्वों को केवल पूरा न करें, उनमें अपने व्यक्तित्व और संवेदना का स्पर्श भी जोड़ें। जब मनुष्य अपने काम में थोड़ा-सा भाव, थोड़ी-सी कल्पना और थोड़ी-सी आत्मीयता जोड़ देता है, तब साधारण काम भी असाधारण आनंद देने लगता है।

कभी-कभी कार्यस्थल पर दिखाई देने वाली एक छोटी-सी घटना इस बड़े प्रश्न को समझा देती है। किसी से कहिए कि मेज साफ कर दीजिए। वह मेज साफ कर देगा, लेकिन उसके नीचे जमा धूल को शायद अपनी जिम्मेदारी नहीं मानेगा। किसी से कहिए कि पौधों में पानी डाल दीजिए। वह पानी डाल देगा, लेकिन सूखती हुई पत्तियों को देखकर उन्हें हटाने या पौधे की स्थिति समझने का प्रयास शायद न करे। काम पूरा हो जाएगा, लेकिन काम के साथ संवाद अधूरा रह जाएगा।

एक बार किसी ने पेंटर से पूछा – भाई साहब, दीवार पूरी पेंट कर दी? उसने बड़े आत्मविश्वास से कहा – जी, बिल्कुल पूरी! जब मालिक ने ऊपर की ओर देखा तो एक हिस्सा खाली था। पूछने पर उत्तर मिला – साहब, आपने दीवार पेंट करने को कहा था, आसमान को नहीं! सुनने में यह बात हास्य पैदा करती है, लेकिन इसमें हमारी कार्यसंस्कृति का एक गंभीर व्यंग्य छिपा है। हम कई बार काम की सीमा इतनी संकीर्ण कर लेते हैं कि सामान्य समझ और अतिरिक्त जिम्मेदारी के लिए जगह ही नहीं बचती।

एक शिक्षक ने विद्यार्थी से पूछा – सबसे अच्छा काम कौन करता है? विद्यार्थी ने कहा – जो काम पूरा कर देता है। शिक्षक ने फिर पूछा – और सबसे उत्कृष्ट काम कौन करता है? विद्यार्थी ने उत्तर दिया – जो काम पूरा करने के बाद यह भी देख ले कि कहीं कोई कमी तो नहीं रह गई! बात छोटी है, लेकिन जीवन का एक बड़ा सूत्र अपने भीतर समेटे हुए है। *काम पूरा करना जिम्मेदारी है, लेकिन काम को बेहतर बनाने के लिए स्वयं आगे बढ़ना सृजनशीलता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि हर व्यक्ति को हर काम स्वयं ही करना चाहिए या विशेषज्ञों की आवश्यकता समाप्त हो गई है। समाज में श्रम का विभाजन आवश्यक है। बिजली का काम बिजली विशेषज्ञ से ही करवाना चाहिए और भवन निर्माण प्रशिक्षित कारीगरों के हाथों ही होना चाहिए। प्रश्न केवल इतना है कि काम चाहे कोई भी करे, उसमें अपनेपन और जिम्मेदारी का भाव क्यों न हो? एक व्यक्ति अपने निर्धारित काम से थोड़ा आगे बढ़कर यदि किसी कमी को पहचान ले, तो वह केवल श्रमिक नहीं रहता, वह उस निर्माण का सहभागी और रचनाकार बन जाता है।

बच्चों को भी जीवन की यह शिक्षा देना जरूरी है। केवल अच्छे अंक लाना, अच्छी नौकरी प्राप्त करना और दूसरों से काम करवाना ही सफलता नहीं है। अपने कमरे को व्यवस्थित करना, पौधों की देखभाल करना, घर की छोटी-मोटी मरम्मत करना और अपने हाथों से कुछ नया बनाना भी जीवन की महत्त्वपूर्ण शिक्षाएँ हैं। अपने हाथों से काम करने में कोई छोटापन नहीं है। बल्कि इससे मनुष्य में आत्मनिर्भरता, श्रम के प्रति सम्मान और दूसरों के परिश्रम को समझने की संवेदना विकसित होती है।

आज की सबसे बड़ी चुनौती मशीनों से दूर भागना नहीं, बल्कि मशीनों के साथ और मशीनों के बीच रहते हुए अपने भीतर के मनुष्य को बचाए रखना है। तकनीक का उपयोग करें, समय की गति के साथ चलें, आधुनिक साधनों को अपनाएँ, लेकिन अपनी संवेदनाओं को तकनीक के हवाले न कर दें। हमारी दिनचर्या व्यवस्थित हो, लेकिन हमारा मन जड़ न हो। हमारा काम तेज हो, लेकिन हमारी अनुभूतियाँ संवेदनहीन न हों। हमारी बुद्धि आधुनिक हो, लेकिन हमारा हृदय मानवीय बना रहे।

मशीनों के युग में मनुष्य बने रहना ही सबसे बड़ी सृजनात्मक चुनौती है। हमें अपने भीतर उस मनुष्य को जीवित रखना होगा जो श्रम में आनंद खोजता है, संबंधों में आत्मीयता महसूस करता है, प्रकृति में सौंदर्य देखता है और दूसरों के दुख को अपना दुख समझने की संवेदना रखता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जीवन की सार्थकता केवल इस बात में नहीं है कि हमने कितना काम किया, कितनी उपलब्धियाँ प्राप्त कीं या कितना समय बचाया। जीवन की सार्थकता इस बात में भी है कि इस पूरी यात्रा में हम कितने जीवंत, संवेदनशील और आनंदित बने रहे।

अंततः प्रश्न मशीनों के बढ़ने या घटने का नहीं, मनुष्य के भीतर के रचनाकार और संवेदनशील मनुष्य को जीवित रखने का है। मशीनें हमारे श्रम का बोझ कम करें, लेकिन श्रम से मिलने वाला आनंद न छीनें। तकनीक हमारे जीवन को सरल बनाए, लेकिन हमारे भीतर की संवेदना को निष्क्रिय न करे। हम अपने काम के लिए पारिश्रमिक अवश्य लें, लेकिन अपने काम में आत्मगौरव और आत्मीयता का निवेश करना न भूलें।

जिस काम में हाथों का श्रम, बुद्धि की सजगता और हृदय का लगाव मिल जाता है, वह काम केवल काम नहीं रहता – वह सृजन बन जाता है। और जिस जीवन में संवेदना, आत्मीयता और आनंद शेष रहते हैं, वही जीवन सच अर्थों में मनुष्य का जीवन होता है।

राज्योत्सव : राज्य स्थापना के 26 वर्ष : नए छत्तीसगढ़ की सशक्त होती तस्वीर, दशा और दिशा

ताराशंकर सिन्हा, सहायक संचालक, जनसम्पर्क, रायपुर

1 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आए छत्तीसगढ़ राज्य ने अपनी स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन 26 वर्षों की विकास यात्रा में छत्तीसगढ़ ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध वन संपदा, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं से समृद्ध इस प्रदेश ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। राज्य गठन के बाद से शासन और प्रशासन के निरंतर प्रयासों ने प्रदेश को आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, सड़क, रेल संपर्क और जनकल्याण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 — सशक्त नारी, युवा उड़ान

आधारभूत संरचना से विकास को मिली नई गति

छत्तीसगढ़ में पिछले 26 वर्षों के दौरान सड़क, बिजली, पेयजल, संचार और परिवहन सहित विभिन्न सुविधाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और ग्रामीण सड़कों के विकास से दूरस्थ अंचलों को जिला मुख्यालयों और प्रमुख शहरों से जोड़ने में मदद मिली है। रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा और रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने वाली हैं।

रेल संपर्क के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख रेल केंद्रों के साथ अब बस्तर और अन्य दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने के प्रयास तेज हुए हैं। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन के विस्तार तथा ताड़ोकी-रावघाट और अभनपुर-कुरूद रेलखंडों का शुभारंभ इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रावघाट तक पहली बार रेल पहुंचना बस्तर के लिए ऐतिहासिक कदम है। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन के साथ व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच के नए अवसर मिलेंगे।

जनजातीय विकास और जनकल्याणकारी अभियानों से बदलती तस्वीर

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से है। इसलिए प्रदेश के समग्र विकास में जनजातीय समुदायों का सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। शासन द्वारा इस दिशा में विभिन्न योजनाओं और विशेष अभियानों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, सड़क और आजीविका के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है।

नियद नेल्लानार योजना

बस्तर के माओवादी प्रभावित और दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा शासन की व्यक्तिगत हितग्राही योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना है।

पी एम जनमन योजना

विशेष रूप से पिछड़ी जनजातीय समूहों (PVTGs) के परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए संचालित इस अभियान के तहत पक्के आवास, पेयजल, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों के लिए यह योजना विकास के नए अवसर लेकर आई है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

जनजातीय बहुल गांवों में आधारभूत और सामाजिक सुविधाओं की कमी दूर करने के उद्देश्य से शुरू इस अभियान के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमें विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के समन्वय से योजनाओं का लाभ गांवों तक पहुंचाने का प्रयास है। इनके साथ वन अधिकारों का संरक्षण, लघु वनोपज के संग्रहण एवं मूल्य संवर्धन, कौशल प्रशिक्षण, महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहन और स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने जैसे प्रयास जनजातीय परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रहे हैं।

कृषि, सिंचाई, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नई औद्योगिक नीति 2024-30 के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार के अवसरों का सृजन और स्थानीय युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अधिक व्यापक और रोजगारोन्मुख बनाने की संभावनाएं बढ़ी हैं।

संकल्प विकसित छत्तीसगढ़ का

केंद्र के विकसित भारत अभियान की तर्ज पर प्रदेश सरकार विकसित छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के संकल्प के साथ सतत विकास के नए सोपान गढ़ रहा है। जनकल्याण का यह सफर छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्धियों का पड़ाव होने के साथ विकसित और आत्मनिर्भर राज्य बनने के नए संकल्प का अवसर भी है। प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग, जनजातीय संस्कृति का संरक्षण, आधुनिक आधारभूत संरचना और लोककल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में श्रम कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण पहल, 54 हजार से अधिक हितग्राहियों के बैंक खातों में 16.94 करोड़ रुपए की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित

श्रमिकों का सम्मान, परिवारों का उत्थान-श्रमवीरों की सेवा से साकार हो रहा कल्याण का संकल्प

ताराशंकर सिन्हा, सहायक संचालक, जनसम्पर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव-2026 के दौरान श्रम विभाग के तहत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित विभाग की 14 कल्याणकारी योजनाओं के तहत कुल 54,084 हितग्राहियों के बैंक खातों में कुल 16 करोड़ 94 लाख 55 हजार 460 रुपए की सहायता राशि सोमवार 02 नवंबर को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की पहल पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह के मार्गदर्शन में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।इस पहल के माध्यम से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों, उनके परिवारों की महिलाओं, बच्चों, विद्यार्थियों एवं अन्य आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इन योजनाओं का उद्देश्य श्रमिक परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आजीविका एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।



मंडल द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित किए जाने से लाभ वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं सुविधाजनक बनाया जा रहा है। मंडल का निरंतर प्रयास है कि प्रत्येक पात्र निर्माण श्रमिक एवं उसका परिवार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो तथा उन्हें सम्मानजनक, सुरक्षित एवं बेहतर जीवन जीने के लिए आवश्यक आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो।

जन-जन तक कल्याण, श्रमिक परिवारों का सम्मान का संकल्प

राज्योत्सव-2026 के अंतर्गत मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 1,630 हितग्राहियों को 3 करोड़ 26 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। इसी तरह मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजनांतर्गत 16 हितग्राहियों को 13 लाख 50 हजार रुपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 41 हजार 899 हितग्राहियों को 7 करोड़ 82 लाख 56 हजार रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु नि:शुल्क गणवेश एवं पुस्तक-कॉपी हेतु सहायता राशि योजना अंतर्गत 8 हजार 89 हितग्राहियों को 1 करोड़ 19 लाख 46 हजार रुपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के तहत 3 हितग्राहियों को 11 हजार 118 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 197 हितग्राहियों को 39 लाख 40 हजार रूपए की राशि प्रदान की गई है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना अंतर्गत 30 हितग्राहियों को 1 लाख 1 हजार 391 रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर कौशल विकास परिवार सशक्तिकरण योजना में 42 हितग्राहियों को 7,ल लाख 03 हजार 970 रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के अंतर्गत 718 हितग्राहियों को 10 लाख 77 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई है। इसी तरह मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 1011 हितग्राहियों को 2 करोड़ 2 लाख 20 हजार रुपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 283 हितग्राहियों को 19 लाख 67 हजार 864 रुपए और इसी योजना के एक अन्य चरण में 1 हितग्राही को 2 लाख की राशि अंतरित की गई है। इसके अलावा दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत 5 हितग्राहियों को 6 लाख 82 हजार 117 रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 160 हितग्राहियों को 1 करोड़ 64 लाख रुपएकी राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई है।

इस तरह इन सभी योजनाओं के अंतर्गत कुल 54 हजार 84 हितग्राहियों को 16 करोड़ 94 लाख 55 हजार 460 की कुल राशि अंतरित की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों पारकर को मिला 'लाला जगदलपुरी साहित्य सम्मान'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ी भाषा, माटी और लोक-संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले वरिष्ठ साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर को राज्य स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रतिष्ठित 'लाला जगदलपुरी साहित्य सम्मान' (राज्य अलंकरण) से नवाजा। भिलाई स्टील प्लांट की प्लेट मिल से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त और आशीष नगर रिसाली निवासी पारकर का यह सम्मान उनकी चार दशकों की अनवरत साहित्यिक एवं अकादमिक साधना का प्रतिफल है।

एम.ए. छत्तीसगढ़ी के प्रवर्तक व उच्च शिक्षा में विशेष योगदान

वरिष्ठ साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर ने उच्च शिक्षा में छत्तीसगढ़ी भाषा को स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एम.ए. छत्तीसगढ़ी के प्रवर्तक के रूप में उनकी विशिष्ट पहचान है। वर्ष 2007 में छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा मिलने के बाद 2013 में इसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल कराया गया। उनका बहुचर्चित उपन्यास 'बहु हाथ के पानी' वर्तमान में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय (दुर्ग) और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय (बस्तर) के एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जा रहा है।

बहुआयामी रचनाकार व अनुवादक

वरिष्ठ साहित्यकार पारकर ने कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, व्यंग्य और शोध जैसी अनेक विधाओं में सशक्त लेखनी चलाई है। उनकी प्रमुख प्रकाशित रचनाओं में 'चिन्हारी', 'लोक-संस्कृति', 'जस-जंवारा', 'मया पीरा के संगवारी', 'सुवा', 'शिवनाथ', 'सुकवा', 'केंवट कुंदरा' आदि शामिल हैं। उन्होंने 'निर्मला', 'प्रतिज्ञा' और 'लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक' जैसी कालजयी हिंदी कृतियों का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद कर मातृभाषा को समृद्ध किया है। उनके उपन्यास 'बहु हाथ के पानी' का हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद भी हुआ है, जिससे उनकी रचनाओं की पहुँच व्यापक बनी है।



पत्रकारिता, शोध और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान

'लोक मंजरी' व 'छत्तीस लोक' जैसी पत्रिकाओं के संपादन के साथ-साथ उन्होंने समाचार पत्रों में नियमित स्तंभ (जैसे चिन्हारी) लिखे। वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों—जैसे कलिंगा, हेमचंद यादव, और बिलासपुर विश्वविद्यालय—में कई शोधार्थी उनके साहित्य पर पीएच.डी. कर रहे हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय साहित्य पुरोधा सम्मान', संस्कार भारती कला गुरु तथा अमेरिका के 'नाचा' संस्था द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मानित किया जा चुका है। लाला जगदलपुरी साहित्य सम्मान मिलना न केवल पारकर की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य और लोक-संस्कृति के गौरव का प्रतीक है।

खास खबर

डॉ. त्रिनाथ दाश को एनसीसीपी की प्रतिष्ठित फेलोशिप, छत्तीसगढ़ और सेल में पहली बार मिला यह सम्मान



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के पूर्व विभागाध्यक्ष (श्वसन चिकित्सा) डॉ. त्रिनाथ दाश को चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए फेलोशिप ऑफ नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस (NCCP) से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राजस्थान के जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय चेस्ट सम्मेलन 'नेपकॉन-2026' के दौरान प्रदान किया गया। NCCP और इंडियन चेस्ट सोसाइटी के संयुक्त सम्मेलन में देशभर से हजारों चेस्ट फिजिशियंस ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ और सेल में पहली बार

यह प्रतिष्ठित फेलोशिप छत्तीसगढ़ राज्य में किसी चेस्ट फिजिशियन को पहली बार प्रदान की गई है। साथ ही सेल की सभी इकाइयों में भी यह सम्मान पहली बार किसी चिकित्सक को मिला है। श्वसन चिकित्सा के क्षेत्र में इसे देश के सर्वोच्च सम्मानों में एक माना जाता है। इस वर्ष देशभर में केवल छह चेस्ट फिजिशियंस को इस फेलोशिप के लिए चुना गया।

यह फेलोशिप उन विशेषज्ञों को दी जाती है जिन्होंने अकादमिक गतिविधियों, चिकित्सकीय सेवाओं और सामुदायिक स्वास्थ्य में असाधारण योगदान दिया हो। डॉ. दाश ने यह सम्मान अपने शिक्षकों, पत्नी डॉ. सम्विता पंडा (वर्तमान में जेएलएन अस्पताल में सीएमओ), परिवार, सहकर्मियों, विद्यार्थियों और मरीजों को समर्पित किया। उन्होंने जेएलएन अस्पताल और बीएसपी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 3.7 किलो गांजा के साथ यूपी का तस्कर गिरफ्तार



रायपुर। राजधानी में ओडिशा से गांजा लाकर खपाने की तैयारी में लगे उत्तर प्रदेश के एक अंतर्राज्यीय तस्कर को पुलिस ने धर दबोचा। आरोपी के पास से 3 किलो 710 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 1 लाख 85 हजार रुपये आंकी गई है।

एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट, एण्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। पकड़े गए आरोपी का नाम शिवम मिश्रा पिता छैल बिहारी मिश्रा (26), निवासी उमरिया गंज, सिद्धार्थ नगर (उत्तर प्रदेश) बताया गया है।

पुलिस के अनुसार 3 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नहरपारा रोड स्थित आत्मानंद स्कूल के पास एक युवक बैग में गांजा लेकर बिक्री की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी में बैग से गांजा मिला। पूछताछ में आरोपी ने गांजा ओडिशा से लाना स्वीकार किया। गंज थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 323/26 धारा 20(बी) NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस गांजे के बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंक और सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है।

विधायक चंद्राकर ने दी स्व. डोमनलाल कोर्सेवाड़ा श्रद्धांजलि

भिलाई। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के दिवंगत विधायक स्व. डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वे ग्राम भेण्डरा, तहसील गुण्डरदेही, जिला बालोद में आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए और दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें अंतिम जोहार किया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने स्व. कोर्सेवाड़ा के जनसेवा, समाजहित और क्षेत्र के विकास के लिए किए गए कार्यों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि स्व. डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का सादगीपूर्ण जीवन, अनुशासित कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव हम सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया था।

राज्योत्सव में माँ वैष्णवी संगीत महाविद्यालय की छात्राओं ने कथक नृत्य से बांधा समां

सितार और तबले की थाप से गूंजा महोत्सव



लक्ष्मीनारायण लहरे/ सारंगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित राज्योत्सव 2026 में माँ वैष्णवी संगीत महाविद्यालय, रानीसागर सारंगढ़ की छात्राओं ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह में चार चाँद लगा दिए।

इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि सांसद राधेश्याम राठिया, वरिष्ठ नेता जगन्नाथ पाणिग्रही सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं जिला कलेक्टर महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में महाविद्यालय की छात्राओं ने रायगढ़ घराने की पारंपरिक कथक नृत्य शैली में मनमोहक समूह प्रस्तुति दी। उनकी भावपूर्ण भाव-भंगिमाओं, लयकारी, पद संचालन और आकर्षक नृत्य संयोजन ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समूह कथक नृत्य में राष्ट्रीय कथक नृत्यांगना यामी वैष्णव, पूर्वी भगत, अदिति सुल्तानिया एवं एम्मा श्रुति कुजूर ने शानदार प्रस्तुति दी। वहीं महाविद्यालय की कथक छात्रा अपेक्षा केशवानी एवं अनुषा केसरवानी ने एकल कथक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा और कला कौशल से दर्शक दीर्घा में खूब तालियाँ बटोरीं। कार्यक्रम में विशेष सांगीतिक प्रस्तुति के अंतर्गत माँ वैष्णवी संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य एल. डी. वैष्णव ने सितार वादन किया तथा बजरंग चौहान ने तबले पर शानदार संगत दी। सितार और तबले की मनमोहक जुगलबंदी ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। सितार के मधुर सुरों और तबले की शानदार थाप ने अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया।

माँ वैष्णवी संगीत महाविद्यालय परिवार जिला प्रशासन, सारंगढ़-बिलाईगढ़ का हृदय से आभार व्यक्त करता है कि उन्होंने महाविद्यालय की छात्राओं एवं कलाकारों को राज्योत्सव 2026 जैसे प्रतिष्ठित मंच पर अपनी कला, प्रतिभा और सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। यह आयोजन न केवल कलाकारों के लिए गौरव का विषय रहा, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा एवं रायगढ़ कथक घराने की कला को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में भी एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हुआ।



बीएसपी की प्लेट मिल ने पिछले माह में बनाए तीन नए रिकॉर्ड



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की प्लेट मिल ने अक्टूबर 2026 में उत्पादन और डिस्पैच के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

तीन नए रिकॉर्ड

फिनिश्ड प्लेट उत्पादन: अक्टूबर 2026 में 1,23,106 टन का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन। इससे पहले अक्टूबर 2023 में 1,21,675 टन का रिकॉर्ड था।

कुल डिस्पैच: 1,19,237 टन डिस्पैच कर पिछले सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर 2025 के 1,18,502 टन के रिकॉर्ड को पार किया।

डायरेक्ट डिस्पैच: 85,614 टन डायरेक्ट डिस्पैच कर अगस्त 2026 के 85,101 टन के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इसके अलावा अक्टूबर में 14,349 टन का रोड डिस्पैच रिकॉर्ड भी दर्ज किया गया।

प्लेट मिल प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धि अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित विभागों के सामूहिक प्रयासों, बेहतर समन्वय और समर्पण का परिणाम है। यह प्रदर्शन उत्पादन क्षमता में वृद्धि, परिचालन दक्षता में सुधार और ग्राहकों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिचायक है।



किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़: सांसद विजय बघेल

पाटन में जिला स्तरीय तिलहन मेले का आयोजन, सरसों बीज किट वितरित, किसानों को तिलहन फसलों में कीट-रोग पहचान, उपचार और आधुनिक खेती की तकनीकी दी जानकारी



नई दृष्टिबिंदु / पाटन-दुर्ग

कृषि विभाग द्वारा अटारी स्थित खूबचंद बघेल सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय तिलहन मेले का आयोजन किया गया। मेले में किसानों को तिलहन फसलों में कीट-रोग पहचान, उपचार और आधुनिक खेती की तकनीकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और भारत कृषि प्रधान देश है। देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में किसानों का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के हित में लगातार योजनाएं बना रहे हैं।

सांसद बघेल ने कहा कि यह तकनीक का युग है, आधुनिक उपकरणों से किसान उन्नत खेती कर आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं। हाल की प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान पर उन्होंने कहा कि किसानों को निराश होने की जरूरत नहीं, केंद्र और प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है, प्रभावितों को मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम में सरसों के बीज किट का वितरण किया गया। जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, योगेश भाले, निशा सोनी, कृषि विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। संचालन परमेश साहू और आभार पुष्पा राम टेके ने किया।



लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ - एमजे कॉलेज जुनवानी में युवा संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन





नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई युवा मोर्चा के नेतृत्व में आज MJ कॉलेज जुनवानी में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडे, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल, युवा संवाद संयोजक अखिलेश सिंह, कन्हैया सोनी, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, युवा मोर्चा जिला मंत्री वेद साहू सहित कॉलेज की डायरेक्टर, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए वक्ताओं ने राष्ट्रहित में कार्य करने, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने, कानून का सम्मान करने तथा भीड़तंत्र के बजाय संविधान और कानून में विश्वास रखने के लिए प्रेरित किया। युवाओं को बताया गया कि लोकतंत्र की मजबूती संवाद, अनुशासन और संवैधानिक आस्था से ही संभव है।

जेसीआई रायपुर राइस सिटी ने 'प्रोजेक्ट वस्त्रदान' के माध्यम से बांटी दीपावली त्यौहार की खुशियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दीपावली के पावन अवसर पर JCI Raipur Rice City द्वारा सामाजिक सरोकार की भावना से 'Project वस्त्रदान' का आयोजन किया गया। इस पहल के अंतर्गत शहर में रहने वाले जरूरतमंद श्रमिक परिवारों को वस्त्र एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

इस सेवा अभियान के माध्यम से लगभग 25 से 30 परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। संस्था के सदस्यों ने परिवारों के साथ समय बिताकर उन्हें अपनत्व एवं सम्मान का एहसास कराया।

यह पहल नवनियुक्त जोन अध्यक्ष खउ मानव अग्रवाल (2027) के सेवा एवं सामाजिक सरोकारों के आह्वान से प्रेरित रही।



कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष सोनिका राय, पास्ट प्रेसिडेंट शेख समीर, अलोक बोथरा, योगेंद्र नारंग, अभिलाष पाटिल, सीनियर मेंबर धीरेन्द्र कुमार शर्मा एवं कमलेश अग्रवाल, आईपीपी सपना अवस्थी, पास्ट सेक्रेटरी लीना गायकवाड़ तथा कार्यक्रम निदेशक राकेश सिन्हा सहित राइस सिटी परिवार के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

संस्था ने कहा कि दीपावली की सच्ची रोशनी तभी सार्थक है, जब हमारे प्रयासों से किसी जरूरतमंद के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुंचे।

कीर्ति सुरेश ने नहीं की बॉलीवुड में आने की जल्दबाजी



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

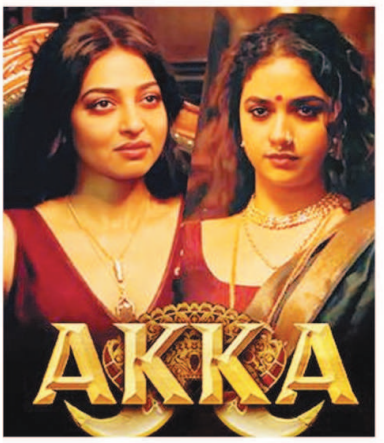
क्या बोलीं कीर्ति सुरेश

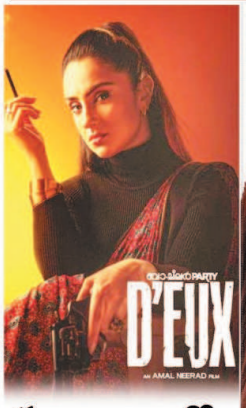
कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।

कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है। 'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है।





बैचलर पार्टी डी'यूक्स में पेरिस लक्ष्मी की एंट्री

निर्देशक अमल नीरद की चर्चित मलयालम फिल्म 'बैचलर पार्टी डीयूक्स' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस पेरिस लक्ष्मी के किरदार का नाम भी बता दिया है। वह फिल्म में नलिनी के रोल में नजर आएंगी। निर्देशक अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'पेरिस लक्ष्मी नलिनी हैं।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की हिट फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' में बड़े सितारों की फौज नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमालु' से पूरे देश में पहचान बनाने वाले अभिनेता नसलेन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, राजिशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म में नसलेन के किरदार का नाम खुलासा किया था। वह फिल्म में सोनी की भूमिका निभा रहे हैं। उस समय उनके किरदार के नाम के साथ फिल्म से उनके दो पोस्टर भी जारी किए गए थे।

फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शरफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म में ज्यादातर कलाकारों के लुक के साथ उनके किरदारों के नाम भी सामने ला दिए हैं, लेकिन टोविनो थॉमस के मामले में ऐसा नहीं किया गया है। फिल्म से उनका लुक जारी हो चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम अभी तक नहीं बताया गया है। उनके पोस्टर जारी करते हुए निर्देशक अमल नीरद ने विलियम शेक्सपियर की मशहूर पंक्ति लिखी थी, 'नर्क खाली है और सारे शैतान यहीं हैं।'

'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' इस साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम करेंगी कृति



कृति सेनन एक बार फिर अपने नए अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रही हैं। अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली कृति अब डरावनी कहानी पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स करेगा। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कृति और मैडॉक फिल्म्स की साझेदारी 9वीं बार होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'कृति ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। इसमें दर्शकों को हंसाने के बजाय डर का माहौल बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।'

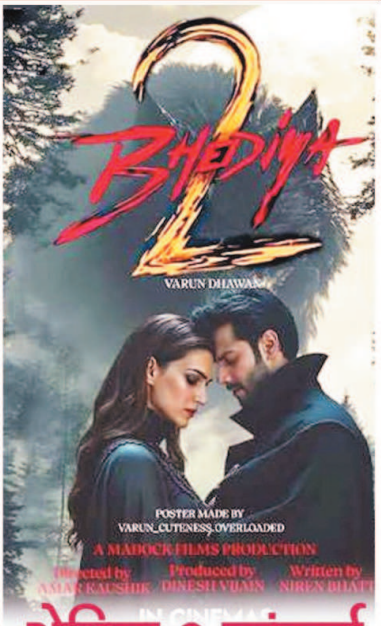
मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर



अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। विद्या बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है। अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियां ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उतना पैसा नहीं लगता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'ओटीटी के आने के बाद महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है।'

मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, 'उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है।' फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर 'अजय निर्वित' (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शातिर पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किकू शारदा अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है और इसे नीरज पांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का पुराना नाम 'घूसखोर पंडित' था, जिसे विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचने के बाद बदलकर 'गजब रात' किया गया था।



भेड़िया 2 कंफर्म

कृति की वरुण और अमर कौशिक की मुलाकात से बढ़ा उत्साह

कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'भेड़िया' के सह-कलाकार वरुण धवन और फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के साथ फिर से मुलाकात करके फिल्म फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के 'स्टोरीज' सेक्शन में एक छोटी क्लिप अपलोड की। इसमें कृति, वरुण और अमर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए और भेड़िये की तरह आवाज निकालते हुए नजर आए, जो उनकी फिल्म 'भेड़िया' की ओर इशारा था।

वीडियो पर लिखे टेक्स्ट से संकेत मिला कि वे शायद किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें लिखा था, 'एक ऐसा सरप्राइज रीयूनियन, जो आपको 'दीवाना' बना देगा।'

वरुण ने भी कृति की इस पोस्ट को अपने ऑफिशियल हैंडल पर रीशेयर किया। हालांकि, अभी पक्का नहीं है, लेकिन हो सकता है कि ये तीनों 'भेड़िया 2' की घोषणा करने की योजना बना रहे हों।

वैसे, 'भेड़िया' के अलावा कृति और वरुण ने साथ में 'दिलवाले' भी की थी। अगर 'भेड़िया 2' आती है तो यह पर्दे पर उनकी तीसरी जोड़ी होगी।

मई में ये दोनों दोस्तों और संगीत के साथ एक शाम बिताने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान वे काफी मस्ती करते दिखे। उनके साथ कृति की बहन नूपुर सैनन, उनके पति और सिंगर स्टेबिन बेन और 'फुकरे' फेम एक्टर वरुण शर्मा भी मौजूद थे। वे सभी वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गाने 'तेरा हो जाऊं' पर झूमते नजर आए। बता दें कि इस रोमांटिक गाने को स्टेबिन और जोनिता गांधी ने गाया है और इसके बोल वायु ने लिखे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'तेरा हो जाऊं... इस मस्ती के साथ... आखिर तक जरूर देखें।'

'भेड़िया' की बात करें तो, यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी भास्कर (वरुण) नाम के एक रोड-कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में काम करते समय एक भेड़िया काट लेता है। इस घटना के बाद वह धीरे-धीरे एक 'वेयरवोल्फ' (आधा इंसान, आधा भेड़िया) में बदलने लगता है। कृति ने इसमें अनिका नाम की एक पशु चिकित्सक का किरदार निभाया है, जिसे इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में उससे कहीं ज्यादा पता है, जितना वह शुरू में बताती है।

कचरे से बनाई कांतारा की झांकी, राज्योत्सव में स्वच्छता दीदियों का स्टॉल बना आकर्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राज्योत्सव में इस बार नगर निगम की स्वच्छता दीदियों ने अपनी रचनात्मकता से लोगों का ध्यान खींचा। पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में कबाड़ से जुगाड़ थीम पर तैयार निगम का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। यहां अनुपयोगी वस्तुओं से बनाई गई कांतारा फिल्म की झांकी और आकर्षक खिलौनों को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। स्कूल शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव ने भी इस नवाचार की सराहना की।

स्वच्छता दीदियों ने बेकार समझकर फेंक दी जाने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल कर आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं। कांतारा फिल्म की झांकी बनाने में पुरानी गुड़िया, कार्टून, बोतल, थमाकील, फूल और गजरे का उपयोग किया गया। वहीं, पुरानी बोतलों और डिब्बों से छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिकृति के साथ टॉय बाइसिकल, डोरेमोन, जिराफ, शेर, मगरमच्छ और केकड़े जैसे खिलौने बनाए गए।



प्रदर्शनी के जरिए वेस्ट टू आर्ट और रिड्यूस, रीयूज व रिसाइकिल की अवधारणा को सामने रखा गया। स्वच्छता दीदियों ने बताया कि सही सोच और रचनात्मकता से कचरे को भी उपयोगी वस्तुओं में बदला जा सकता है। स्टॉल के माध्यम से लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। संदेश दिया गया कि स्वच्छ शहर बनाने की जिम्मेदारी केवल सफाई कर्मचारियों की नहीं, बल्कि हर नागरिक की है।

नगर निगम क्षेत्र के 51 वार्डों में 17 एसएलआरएम सेंटर संचालित हैं। यहां 442 स्वच्छता दीदियां काम कर रही हैं। ये प्रतिदिन घर-घर जाकर कचरा एकत्र करती हैं और गीले-सूखे कचरे को अलग कर उसका उचित प्रबंधन करती हैं। इन केंद्रों में कबाड़ और जैविक खाद की बिक्री से अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा रही है।

राज्योत्सव में स्वच्छता दीदियों की प्रदर्शनी ने उनकी मेहनत और हुनर को मंच देने के साथ यह भी दिखाया कि कचरा केवल निस्तारण की समस्या नहीं, बल्कि सही प्रबंधन से उपयोगी संसाधन बन सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ आय के अवसर भी पैदा किए जा सकते हैं।

जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम, गौरव पथ में आयोजित राज्योत्सव-2026 में जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी नागरिकों के आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को आकर्षक छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। बड़ी संख्या में नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की ओर से प्रकाशित मासिक पत्रिका जनमन सहित 125 रोजगार की नई गारंटी जी राम जी, सशक्त महिला-सशक्त छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ में सुशासन के लिए नवाचार और सुशासन से समृद्धि की ओर सहित अन्य प्रचार सामग्री का निशुल्क वितरण किया गया।

प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी, महतारी वंदन योजना से 68 लाख से अधिक महिलाओं को आर्थिक सहायता, 13.96 लाख लखपति दीदियों और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 20.75 लाख आवासों के निर्माण की जानकारी दी गई। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 26 लाख किसानों को लाभान्वित किए जाने की जानकारी भी प्रदर्शित की गई।

कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को आर्थिक सहायता, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी और भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता से जुड़ी जानकारी भी प्रदर्शनी में शामिल रही। सुशासन एवं प्रशासनिक सुधारों के तहत सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ई-ऑफिस, सुगम ऐप और सेवा सेतु के माध्यम से 38 विभागों की 948 सेवाओं की उपलब्धता के साथ एआई मिशन की जानकारी दी गई। इसके अलावा जल जीवन मिशन, सड़क एवं अधोसंरचना विकास, रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे, हाईटेक लाइब्रेरी, मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना, शक्तिपीठ विकास परियोजना और श्री रामलला दर्शन योजना सहित विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों को छायाचित्रों के माध्यम से दर्शाया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे नागरिकों ने इसकी सराहना की।

खास खबर

एचपीवी वैक्सीनेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्यकर्मी सम्मानित, कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया हौसला



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित एक विशेष गरिमामयी समारोह के दौरान कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने एचपीवी (HPV) वैक्सीनेशन कार्यक्रम के अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले चुनिंदा स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले की पीठ थपथपाते हुए उनके समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर) की रोकथाम की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और जीवनरक्षक पहल है। इस अभियान में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने में हमारे स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी और मेहनत अत्यंत सराहनीय है।

इन स्वास्थ्यकर्मियों को मिला सम्मान

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिन स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया गया, उनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। अनिल बोरकर (सेक्टर असरा), हर्ष मेश्राम (सेक्टर टप्पा), हरि कुमार बंजारे (सेक्टर तुमड़ीबोड़), योगलाल रामटेके (अर्बन डोंगरगांव), एलके पाल (अर्बन डोंगरगांव) और कांशीराम सिन्हा (बी. चारभांठा) हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. नेतराम नवरतन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में जिला स्तरीय अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के लोग उपस्थित रहे।

हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम के तहत बाल संदर्भ शिविर आयोजित



राजनांदगांव। जिले में अति गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत छुरिया विकासखंड के ग्राम कुमरदा में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिन्हांकित एसएएम और एमएएम श्रेणी के बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

शिविर में बच्चों के अभिभावकों को उनके बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के संबंध में परामर्श दिया गया। जन औषधि केंद्र के माध्यम से बच्चों के लिए जरूरी दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक तीन माह में इस तरह के शिविर आयोजित कर बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि कुपोषण की स्थिति में समय पर सुधार किया जा सके। बच्चों के स्वास्थ्य में बेहतर और त्वरित सुधार के लिए स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, एम्स रायपुर और यूनिसेफ रायपुर द्वारा लगातार तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक तथा स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल ऑफिसर, एएनएम और फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

अटल जी के दूरदर्शी निर्णय से बना छत्तीसगढ़, आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा-सांसद पाण्डेय

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति के रंगों से सजा कवर्धा का राज्योत्सव



नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ की माटी की महक, लोकसंस्कृति की मिठास और गौरवशाली परंपराओं का अनूठा संगम सोमवार को जिला मुख्यालय कबीरधाम के पीजी कॉलेज मैदान में देखने को मिला। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव-2026 में शाम से उत्सव और उल्लास का माहौल छाया रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद संतोष पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में राज्योत्सव का आगाज हुआ। कलाकारों ने लोकधुनों, पारंपरिक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत को मनमोहक झलक प्रस्तुत की।

समारोह के शुभारंभ से पहले मुख्य अतिथि सांसद श्री पाण्डेय सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों ने राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित विकास सह-प्रदर्शनी का अवलोकन किया। ो श्री पाण्डेय ने राज्योत्सव की बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण भारत रत्न एवं पूर्व पीएम स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदर्शी सोच और संवेदनशील निर्णय का परिणाम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अटलजी ने जनभावनाओं को समझते हुए राज्य निर्माण का ऐतिहासिक निर्णय लिया। आज 26 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास और समृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ को अपनी पहचान और विकास को नई दिशा मिली है तथा कवर्धा जिला भी विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि कवर्धा में रेल सुविधा की लंबे समय से मांग की जा रही थी। निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप कटघोरा से डोंगरगढ़ तक रेल परियोजना को गति मिली है। सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई से प्रदेश में शांति और सुरक्षा का वातावरण मजबूत हुआ है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा

राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी लोककला और परंपराओं पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। छत्तीसगढ़ी लोककला मंच, सिंगार, गजल, क्लासिकल म्यूजिकल, आर्केस्ट्रा एवं जन जागरता, भक्ति संगीत, नृत्य अभिनय, सैनिक शो तथा छत्तीसगढ़ी करमा एवं ददरिया लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और लोकजीवन को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया।

छग की कला और परंपरा का दिखा संगम

राज्योत्सव के आयोजन में जिले की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली विरासत को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं, लोकनृत्यों, संगीत और कला को प्रोत्साहन देने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया गया। पूरे आयोजन में उत्सव का माहौल रहा और उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

समय-सीमा बैठक में धान खरीदी की तैयारियों की गई समीक्षा



नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी की तैयारियों सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा, बारदाने की उपलब्धता, सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन की व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने को कहा, ताकि किसानों को परेशानी न हो।

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गिरदावरी, खसरा संबंधी विवरण एवं पीवी ऐप में पंजीयन के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी का सत्यापन कर त्रुटियों का निराकरण करने तथा बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

कलेक्टर ने नियद नेल्लानार 2.0 के अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की जनपदवार ऑनलाइन एंट्री की समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रविष्टियां पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाने तथा प्रगति की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही ऑनलाइन एंट्री में आ रही समस्याओं का निराकरण कर हितग्राहियों की सही एवं पूर्ण जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने को कहा। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव द्वारा जिला भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों पर की जा रही कार्रवाई की भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा जनहित से जुड़े लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, अपर कलेक्टर सुरेंद्र कुमार ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती पूजा पिंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति : संस्था व पाठ्यक्रम परिवर्तन के लिए 30 तक आवेदन

खैरागढ़। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल पर संस्था, पाठ्यक्रम, कोर्स ईयर तथा संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों में परिवर्तन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नियमानुसार पात्र विद्यार्थी 30 नवंबर 2026 तक अपने लॉगिन से आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थियों को विभागीय पोर्टल https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ पर आवेदन करने के बाद आधार कार्ड, पिछले वर्ष की अंकसूची एवं वर्तमान पाठ्यक्रम में प्रवेश की रसीद के साथ कलेक्टोरेट भवन के कक्ष क्रमांक-29 स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग की छात्रवृत्ति शाखा, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में संपर्क करना होगा।

धान खरीदी का कार्य पारदर्शी, निर्विघ्न व त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराएं-कलेक्टर तुलिका

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों की बैठक लेकर धान खरीदी की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य पारदर्शी, निर्विघ्न एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी राज्य शासन की महत्वाकांक्षी एवं प्राथमिकता वाली योजना है। इसलिए इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में खाद्य, सहकारिता एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों की बैठक लेकर धान खरीदी की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा कर रही थीं।



बैठक में कलेक्टर ने बताया कि जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। धान खरीदी सोमवार से शुक्रवार तक होगी तथा शासकीय अवकाश के दिनों में खरीदी नहीं की जाएगी। राज्य शासन के निर्देशानुसार किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। उन्होंने बताया कि एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत किसानों से ही धान की खरीदी की जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए तुहर टोकन ऐप भी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध रहेगा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। जिले में धान की अवैध खरीदी-बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में कोचियों, बिचौलियों एवं व्यापारियों से धान की खरीदी नहीं होनी चाहिए। धान खरीदी कार्य में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा एवं खरीदी कार्य के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी केंद्रों में विद्युत एवं इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापक यंत्र सहित धान खरीदी से संबंधित सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों, स्वच्छ पेयजल, छायादार स्थान, शौचालय एवं मेडिकल किट की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए, ताकि धान विक्रय के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में अपर कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला खाद्य अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी, विभिन्न शाखाओं एवं समितियों के प्रबंधक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा

धान खरीदी की तैयारियों के लिए अगले 7 दिन बेहद अहम, कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने दिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आगामी धान खरीदी की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक अमले को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि धान खरीदी की सुचारू और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अगले सात दिन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवधि में सभी आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता के आधार पर पूरी कर ली जाएं, ताकि खरीदी के दौरान अन्नदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और जनपद पंचायतों के सीईओ को आपसी समन्वय से काम करते हुए धान खरीदी केंद्रों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

किसानों की सुविधा सर्वोपरि, पिछले समस्याओं का हो त्वरित निराकरण

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से किसानों के दस्तावेजों और आवश्यक जानकारियों का सत्यापन पूरी गंभीरता से किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले साल धान विक्रय के दौरान जिन किसानों को किसी भी तरह की परेशानी हुई थी, उनसे संपर्क कर उनकी समस्याओं का पहले ही निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को ऐसे किसानों की सूची संबंधित एसडीएम और तहसीलदारों को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।



अवैध धान परिवहन पर सख्ती और धर्मकांटों की जांच

सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर ने विशेष रूप से महाराष्ट्र सीमा से लगे इलाकों में सतर्कता बढ़ाने और आवश्यक स्थानों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में एआई (अंक) आधारित आधुनिक कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सभी एसडीएम और तहसीलदारों को राइस मिलों का सघन निरीक्षण करने तथा धर्मकांटों की अनिवार्य रूप से जांच कर तौल की शुद्धता परखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो सके। डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए सर्वेयरों की लंबित राशि का शीघ्र भुगतान करने के भी निर्देश दिए गए।

खैरा गांव की सफलता पर सराहना, सोलर योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजनांदगांव जिले के ग्राम खैरा के सभी 141 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित होने की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने इस कार्य में जुटे जिला पंचायत, जनपद पंचायत, विद्युत विभाग और बैंक अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने जिले के अन्य गांवों को भी शत-प्रतिशत सोलरयुक्त बनाने की दिशा में काम करने को कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में अब स्वयं ऊर्जादाता बन गए हैं। कलेक्टर ने शेष बचे पात्र हितग्राहियों को भी जल्द से जल्द लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

राजनांदगांव शहर के निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन और पुलिस विभाग के अधिकारियों को अंडरब्रिज से लगे ओवरब्रिज की जांच करने तथा यातायात के लिए बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा, जल जीवन मिशन के तहत कार्य पूरे कर चुके ठेकेदारों के लंबित भुगतानों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के अंत में जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने सीएम जनदर्शन, सीएम हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल और कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को तय समय-सीमा में उनका निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा सहित तमाम जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सार्थक शिक्षा व संस्कार बेहतर भविष्य और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का आधार हैं-पवन

भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में 41वां कब-बुलबुल उत्सव और 50वीं स्काउट्स-गाइड्स रैली का आयोजन





नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में 41वें कब-बुलबुल उत्सव का आयोजन भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के प्रांगण में किया गया। उत्सव में बीएसपी की विभिन्न शालाओं के लगभग 130 कब-बुलबुल प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (शिक्षा) एवं जिला मुख्य आयुक्त श्रीमती शिखा दुबे ने ईश वंदना, ध्वजारोहण एवं ध्वज गीत के साथ किया।

तीन दिवसीय स्काउट्स एवं गाइड्स रैली तथा कब-बुलबुल उत्सव का समापन समारोह मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं) ए.बी. श्रीनिवास की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि ने कहा - स्काउटिंग व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला

मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि सार्थक शिक्षा एवं संस्कार बेहतर भविष्य और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का आधार हैं। स्काउट्स एवं गाइड्स शिविर व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला है। इसके नियम सदैव प्रासंगिक रहेंगे। विशिष्ट अतिथि ए.बी. श्रीनिवास ने कहा कि शिविर से प्राप्त कौशल बच्चों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मदद करेंगे। महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने कहा कि यह समापन नहीं, व्यक्तित्व विकास की नई शुरूआत है।

8 स्पर्धाओं का आयोजन

उत्सव में सामूहिक नृत्य, बुलबुल ट्री, चित्रकला, विविध वेशभूषा, गंध, स्वाद, गाँठ प्रतियोगिता सहित आठ प्रतियोगिताएं हुईं। बच्चों ने प्रकृति संरक्षण, बालिका शिक्षा, देशप्रेम जैसे विषयों पर रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कब-बुलबुल, श्रेष्ठ स्काउट, श्रेष्ठ गाइड और श्रेष्ठ टुकड़ी को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक की भूमिका राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका सरस्वती गिरिया एवं त्रिलोकचंद चौधरी ने निभाई। कार्यक्रम में जिला आयुक्त विजय सिंह पवार, सुमिता सरकार, उर्वशी साहू, सरिता शाक्या सहित कई प्राचार्य और शिक्षक उपस्थित रहे। संयोजन कीर्ति लता देशमुख और सत्यनारायण साहू ने किया।

महापौर परिषद की बैठक : शहर विकास के 15 प्रस्तावों पर चर्चा, कई कार्यों को मिली मंजूरी



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई में महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त सुरुचि सिंह की उपस्थिति में महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था और निगम की आय बढ़ाने से जुड़े कुल 15 प्रमुख प्रस्तावों पर चर्चा कर कई को स्वीकृति दी गई।

बैठक के प्रमुख निर्णय

प्रधानमंत्री आवास योजना: आबादी क्षेत्र कुरूद के 19 और खम्हरिया/जुनवानी के 27 कुल 46 पात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची को सामान्य सभा में रखने की सहमति।

सोलर प्लांट: ग्राम सेमरिया स्थित निगम की भूमि पर 10 मेगावाट क्षमता का ऑनग्रिड सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए शासन को पत्र भेजने की मंजूरी। इससे नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और आर्थिक बचत होगी।

सामुदायिक भवन: वार्ड 18 कांट्रेक्टर कॉलोनी के हरा मैदान स्थित सामुदायिक भवन के संचालन के लिए RFP आमंत्रित कर न्यूनतम दरदाता से अनुबंध की अनुशंसा।

सड़क-नाली निर्माण: वार्ड 4 नेहरू नगर पश्चिम ब्लॉक-64 के बजाय ब्लॉक-67 में प्लॉट नंबर 1 से 10 तक सीसी रोड व नाली निर्माण पर सहमति।

अधोसंरचना विकास: जोन 2 वार्ड 28 कैप-1 सुभाष चौक के पास बीएसपी हायर सेकेंडरी स्कूल के समीप 2 करोड़ की लागत से मांगलिक एवं सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित करने की अनुमति।

अन्य प्रस्ताव: जोन 5 वार्ड 70 हुडको मैदान में डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन और जोन 4 वार्ड 51 पंडित दीनदयाल उपाध्याय खेल परिसर के संचालन-संधारण के लिए फ्रेंच्ड आमंत्रित करने तथा हुडको सीवरेज लाइन नवीनीकरण कार्य को स्वीकृति।

बैठक में महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह, केशव चौबे, एकांश बंछोर, चंद्रशेखर गंवई, मालती ठाकुर सहित अपर आयुक्त राजेन्द्र दोहरे, उपायुक्त दिनेश कोसरिया और अधिकारी मौजूद रहे।

भिलाई के अनिल अमेरिका के यूरेका में महापौर पद की दौड़ में

पिता भिलाई डीपीएस में हिंदी के वरिष्ठ व्याख्याता, अनिल 12 साल पहले अमेरिका शिफ्ट हुए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



भिलाई में बचपन बिता चुके अनिल द्विवेदी अब अमेरिका के यूरेका शहर में महापौर पद के प्रत्याशी रहे। यूरेका, कैलिफोर्निया में 3 नवंबर को हुए नगर चुनाव में अनिल समेत तीन प्रत्याशी मैदान में थे। आधिकारिक परिणामों में अनिल द्विवेदी दूसरे स्थान पर रहे, जबकि निवर्तमान मेयर किम बर्गेल ने जीत दर्ज की।

अनिल के पिता व भिलाई डीपीएस में हिंदी के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. रमेश प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि अनिल शुरू से ही होनहार रहे हैं। अमेरिका में उन्होंने खुद की रियल एस्टेट कंपनी खड़ी की और अब यूरेका के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन हैं।

अनिल का जन्म मप्र के सीधी जिले में हुआ। पिता की नौकरी के कारण परिवार भिलाई आया, जहां उन्होंने बीएसपी स्कूल में एक वर्ष पढ़ाई की। उन्होंने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से नव्य व्याकरण में आचार्य की उपाधि ली। इसके बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा। उनकी शॉर्ट फिल्म "देवीः द लिटिल गॉडेस" ने 2014 में अमेरिका के पांच फिल्म फेस्टिवल में सुर्खियां बटोरीं, जिसके बाद अमेरिका ही उनका कर्मक्षेत्र बन गया। अब वे अमेरिकी नागरिक हैं और वहीं विवाहित हैं।

शहर के लिए अलग विजन - कैंपेन पेज के मुताबिक यूरेका में उनका फोकस आवास, सुरक्षा, कारोबार और शहर के विकास पर है। वे यूरेका में बिजनेस ओनर, उद्यमी, रियल्टर और कम्युनिटी लीडर के रूप में सक्रिय हैं। उनकी दो अपार्टमेंट बिल्डिंग में 76 फ्लैट्स हैं, जिनमें 40 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग और निम्न आय वर्ग के लोगों को रियायती दर पर आवास दिया गया है।

मुंबई में फिल्मी संघर्ष - अमेरिका जाने से पहले अनिल ने मुंबई में दो साल तक सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया, साथ ही लेखन और निर्देशन में हाथ आजमाया।

त्योहारों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने ली राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों की बैठक

Visible Policing, Field Policing व Preventive Policing पर विशेष जोर, बाजारों में सुरक्षा व सुगम यातायात व्यवस्था के लिए बनाई गई



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



विस्तृत कार्ययोजना और दीपावली पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम:

SP अंकिता शर्मा ने अधिकारियों को दिए Visible और Field Policing के निर्देश

दीपावली एवं आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम में राजपत्रित अधिकारियों और सभी थाना प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

एसपी अंकिता शर्मा ने त्योहारों के दौरान Visible Policing, Field Policing एवं Preventive Policing पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पुलिस की मौजूदगी सिर्फ चौराहों और तय ड्यूटी पॉइंट तक सीमित न रहे। बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर अधिकारी-कर्मचारी लगातार फील्ड में सक्रिय रहें। सभी थाना प्रभारी खुद मैदान में उतरकर व्यवस्थाओं की निगरानी करें।

बैठक में दीपावली के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए सुगम यातायात के लिए पार्किंग व्यवस्था, नो-पार्किंग जोन चिन्हित करने और ट्रैफिक डायवर्जन की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। पीक आवर्स में प्रमुख बाजारों में अस्थायी पुलिस सहायता केंद्र और हेल्प डेस्क लगाने को कहा गया।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सिविल टीम द्वारा विशेष निगरानी, संदिग्धों की चेकिंग और पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए। वहीं सराफा व्यापारियों और चेंबर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक कर चोरी, उठाईगिरी, पॉकेटमारी से बचाव के लिए दुकानों में CCTV दुरुस्त रखने की अपील करने को कहा गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में मड़ई-मेला आयोजनों को लेकर भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए गए। साथ ही अवैध शराब, जुआ-सट्टा और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

रद्द ने कहा कि त्योहारों पर पुलिस का व्यवहार आम नागरिकों के प्रति सहयोगात्मक रहे, लेकिन कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि जिले में सुरक्षित और शांतिपूर्ण दीपावली मनाई जा सके।

ACB की बड़ी कार्रवाई, 20 हजार रिश्वत लेते हेड कांस्टेबल रंगे हाथों गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने बसंतपुर थाने के प्रधान आरक्षक किशोर यादव को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मामला 18 लाख के लोन सेटलमेंट से जुड़ा

प्रार्थी रायपुर निवासी गौरव अग्रवाल का 18 लाख रुपये के निजी लोन का मामला था। आरोप है कि मामले में समझौता कराने और कानूनी परेशानी से बचाने के एवज में हेड कांस्टेबल किशोर यादव ने शिकायतकर्ता से 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

ACB ने बिछाया जाल

रिश्वत नहीं देना चाहते थे, इसलिए गौरव अग्रवाल ने एसीबी से शिकायत की। शिकायत सत्यापन में सही पाए जाने पर एसीबी ने ट्रैप प्लान किया।



जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में केमिकल लगे 20,000 रुपये लिए, मौके पर तैनात एसीबी टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधित अधिनियम 2018) की धारा 7 के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब परिवहन : दोषमुक्ति आदेश निरस्त, दो आरोपियों को 2-2 साल की सजा

दुर्ग। अवैध शराब परिवहन के मामले में दुर्ग पुलिस की अपील पर सत्र न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। निचली अदालत द्वारा दोषमुक्त किए गए दो आरोपियों को अब 2-2 वर्ष के सश्रम कारावास और 25-25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

प्रकरण में आरोपी लखन भैंसा उर्फ जोहरी भैंसा (38 वर्ष, निवासी बेडगांव, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र) और श्रीमती ममता धमगाये (47 वर्ष, निवासी कोरची, गढ़चिरौली) के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने शराब, वाहन क्रमांक CG-08-AU-0756, नमूने, साक्षियों के कथन और रासायनिक परीक्षण रिपोर्ट सहित साक्ष्य न्यायालय में पेश किए थे। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दुर्ग ने 31 जुलाई 2025 को दोनों को दोषमुक्त कर दिया था। इसके खिलाफ राज्य की ओर से आपराधिक अपील क्रमांक 05/2026 प्रस्तुत की गई। अपील की सुनवाई के दौरान माननीय सत्र न्यायालय दुर्ग ने 23 अक्टूबर 2026 को सभी साक्ष्यों का विस्तृत परीक्षण कर निचली अदालत के दोषमुक्ति आदेश को निरस्त करते हुए दोनों आरोपियों को दोषसिद्ध किया।





न्यायालय ने सुनाई सजा

दोनों आरोपियों को 2-2 वर्ष सश्रम कारावास और 25-25 हजार रुपये अर्थदंड, अर्थदंड न देने पर 6-6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास, पूर्व में जेल में बिताई अवधि का नियमानुसार लाभ, प्रयुक्त वाहन के राजसात की कार्यवाही जारी रखने के निर्देश हैं। प्रकरण की विवेचना में उपनिरीक्षक पारस सिंह ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही, वहीं शराब के नमूनों के वैज्ञानिक परीक्षण में आबकारी विभाग ने सहयोग दिया। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, बिक्री और परिवहन की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

पुलिस को चकमा देकर भागे गांजा तस्कर

कांकेर। गांजा तस्करी के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई के बीच कांकेर में एक बड़ी खेप बरामद हुई है। ओडिशा से गांजा लेकर आ रहे संदिग्ध तस्कर पुलिस की घेराबंदी की भनक लगते ही करीब 280 किलो गांजा छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने सिंगारभाट स्थित गढ़िया पहाड़ के पास लावारिस हालत में पड़े गांजे के 70 पैकेट जब्त किए हैं। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से बड़ी मात्रा में गांजा छत्तीसगढ़ लाया जा रहा है। तस्करों के विश्रामपुरी और केशकाल के रास्ते कांकेर की ओर बढ़ने की जानकारी मिलने पर पुलिस सक्रिय हो गई। केशकाल पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की तलाश शुरू की और कांकेर पुलिस को भी इसकी सूचना दी। इसके बाद संभावित रास्तों पर घेराबंदी की गई।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100